सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

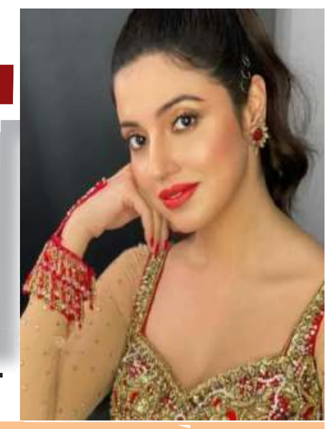

सचिन तेंदुलकर बनेंगे बीसीसीआई के नए अध्यक्ष, महान बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी -पेज: 7

'एक चतुर नार में कॉमेडी के रंग में नजर आएंगी दिव्या खोसला -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 156 | शनिवार 13 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

पीएम मोदी 13 से 15 सितंबर तक मिजोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार के दौरे पर रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 से 15 सितम्बर तक मिजोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार का दौरा करेंगे। शनिवार को पीएम मोदी मिजोरम जाएंगे और सुबह लगभग 10 बजे आइजोल में 9000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। यहां वह एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। मिजोरम में पीएम मोदी कल शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी मिजोरम के आइजोल में 9000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। ये परियोजनाएं रेलवे, सड़क मार्ग, ऊर्जा, खेल सहित कई क्षेत्रों को लाभान्वित करेंगी। मणिपुर में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर का दौरा करेंगे और दोपहर करीब 12:30 बजे चुराचांदपुर में

इस अवसर पर वह उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। इसके अलावा, पीएम मोदी दोपहर लगभग 2:30 बजे इम्फाल में 1,200 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित करेंगे।

7,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इन परियोजनाओं में 3,600 करोड़ रुपए से अधिक की मणिपुर शहरी सड़कें, जल निकासी और परिसंपत्ति प्रबंधन सुधार परियोजना, 2,500 करोड़ रुपए से अधिक की 5 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं, मणिपुर इन्फोटेक विकास परियोजना, 9 स्थानों पर कामकाजी महिला छात्रावास आदि शामिल हैं। इस अवसर पर वह उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। इसके अलावा, पीएम मोदी दोपहर लगभग 2:30 बजे इम्फाल में 1,200 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित करेंगे। असम में पीएम मोदी इम्फाल के बाद पीएम मोदी असम का दौरा करेंगे और शाम लगभग 5 बजे गुवाहाटी में भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती के समारोह में भाग लेंगे। इस अवसर पर वह उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। वहीं, 14 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी असम में 18,530 करोड़ रुपए से अधिक की प्रमुख बुनियादी ढांचा और औद्योगिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वह सुबह करीब 11 बजे दरांग में विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित करेंगे। इसके बाद, पीएम मोदी दोपहर लगभग 1:45 बजे गोलाघाट में असम बायो-एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड के नुमालीगढ़ रिफाइनरी प्लांट का उद्घाटन करेंगे। वह गोलाघाट में पॉलीप्रोपाइलीन प्लांट की आधारशिला भी रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 15 सितंबर को पश्चिम बंगाल और बिहार रहेंगे 15 सितंबर को प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे और सुबह लगभग 9:30 बजे कोलकाता में 16वें संयुक्त कमांडर सम्मेलन-2025 का उद्घाटन करेंगे। इसके पश्चात पीएम मोदी बिहार का दौरा करेंगे और दोपहर लगभग 2:45 बजे पूर्णिया हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, वह पूर्णिया में लगभग 36,000 करोड़ रुपए की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी बिहार में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का भी शुभारंभ करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर लगा प्रतिबंध, मीडियाकर्मियों को दी सख्त हिदायत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने मुख्य परिसर को उच्च सुरक्षा क्षेत्र घोषित करते हुए यहां फोटो खींचने, इंटरनेट मीडिया पर रील बनाने और वीडियोग्राफी करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। दस सितंबर को जारी एक सर्कुलर में शीर्ष अदालत ने मीडिया कर्मियों से कहा कि वे निर्धारित लॉन क्षेत्र में इंटरव्यू और समाचार का लाइव प्रसारण करें, जो कि एक निम्न सुरक्षा क्षेत्र है। उच्च सुरक्षा क्षेत्र के लॉन में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए मोबाइल फोन का उपयोग निषिद्ध है। इन चीजों पर लगाया प्रतिबंध वीडियोग्राफी, रील बनाने और फोटो खींचने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण जैसे कैमरा, ट्राइपाड, सेल्फी स्टिक आदि उच्च सुरक्षा क्षेत्र में प्रतिबंधित रहेंगे। इनका उपयोग केवल आधिकारिक उपयोग के लिए हो सकता है। नियमों का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई सर्कुलर में यह भी जोड़ा गया, "यदि किसी अधिवक्ता,

वादी, इंटर्न या कानून क्लर्क द्वारा उपरोक्त दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया जाता है तो संबंधित बार एसोसिएशन या संबंधित राज्य बार काउंसिल उल्लंघनकर्ता के खिलाफ उनके नियमों और विनियमों के अनुसार उचित कार्रवाई करेगी। यदि मीडिया कर्मियों द्वारा दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया जाता है, तो उनके लिए सुप्रीम कोर्ट के उच्च सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश को एक महीने के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। स्टाफ या रजिस्ट्री द्वारा किसी भी उल्लंघन को "गंभीरता से" लिया जाएगा।" अन्य हितधारकों के मामले में संबंधित विभाग के प्रमुख से अनुरोध किया जाएगा

एआई वीडियो से सियासी बवाल तेज: हिमंत बिस्वा सरमा बोले- पीएम की मां का अपमान कांग्रेस को पड़ेगा भारी

असम (एजेंसी): असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां वाले एक एआई-जनरेटेड वीडियो को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और इसे निंदनीय करार दिया। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें सबक सिखाएंगे। सरमा ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस प्रधानमंत्री और उनकी मां के संबंध में जो कुछ भी कर रही है, वह निंदनीय है और बिहार के लोग कांग्रेस को सबक सिखाएंगे। देश के लोग भी आक्रोशित हैं। जो कोई भी मां को बदनाम करने की कोशिश करेगा, वह हमारे देश में कभी सफल नहीं होगा। बिहार कांग्रेस द्वारा पोस्ट किए गए एक एआई-जनरेटेड वीडियो में, जो वायरल हो गया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी अपनी दिवंगत मां हीराबेन मोदी के बारे में सपने देखते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो उनकी राजनीति को लेकर उन पर निशाना साध रही हैं। बिहार के दरभंगा में 'मतदाता अधिकार रैली' के दौरान एक व्यक्ति द्वारा पीएम मोदी और उनकी मां को कथित तौर पर अपशब्द कहे जाने पर विवाद अभी थमा भी नहीं है कि कांग्रेस एक बार फिर आलोचनाओं के घेरे में आ गई है। भाजपा ने पीएम मोदी की मां को कथित तौर पर अपशब्द कहे जाने को लेकर विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) तथा उसके नेताओं राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर कड़ा हमला बोला है। कांग्रेस ने एआई-जनरेटेड वीडियो के जरिए पीएम मोदी की आलोचना की है, जिसमें पीएम की दिवंगत मां को उनके नाम पर हो रही राजनीति की आलोचना करते हुए दिखाया गया है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपनी माँ के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर राजद और कांग्रेस पर निशाना साधा था। एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये अभद्र टिप्पणियाँ सिर्फ. उनकी माँ का ही नहीं, बल्कि देश की सभी माताओं, बहनों और बेटियों का अपमान हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि बिहार की परम्पराओं से समृद्ध धरती पर ऐसा कृत्य होगा। उन्होंने माताओं को सबका स्वाभिमान और संसार भी बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह अपनी माँ से इसलिए अलग हुए ताकि देश की अन्य महिलाओं की सेवा कर सकें। उन्होंने कहा कि उनकी माँ, जिनका 100 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद निधन हो गया और जिनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था

राहुल गांधी का बीजेपी पर हमला: 'वोट चोरी देश का बड़ा मुद्दा, मणिपुर जाना बड़ी बात नहीं'

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मणिपुर लंबे समय से संकट से जूझ रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस हिंसाग्रस्त राज्य का अब दौरा करना कोई बड़ी बात' नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वोट चोरी' फिलहाल देश के सामने सबसे प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। गुजरात के जूनागढ़ जिले में केशोद हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि हर जगह लोग ह्यवोट चोर' के नारे लगा रहे हैं। हवाई अड्डे पर दोपहर में उतरने के बाद गांधी जूनागढ़ शहर पहुंचे, जहां उनका गुजरात कांग्रेस की जिला और नगर इकाइयों के अध्यक्षों को संबोधित करने और वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत करने

का कार्यक्रम है। जब पत्रकारों ने प्रधानमंत्री मोदी की मणिपुर यात्रा पर गांधी की प्रतिक्रिया जाननी चाही, तो कांग्रेस सांसद ने इस अशांत पूर्वोत्तर राज्य के उनके दौरे को ज्यादा महत्व नहीं देने की कोशिश की। गांधी ने कहा, मणिपुर लंबे समय से संकट से जूझ रहा है और प्रधानमंत्री ने अब वहां जाने का फैसला किया है। इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं है। आज भारत में प्रमुख मुद्दा वोट चोरी' है।" मोदी 13 सितंबर को मणिपुर का दौरा करेंगे और चुराचांदपुर तथा राज्य की राजधानी इंफाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। दो साल पहले राज्य में जातीय हिंसा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मणिपुर लंबे समय से संकट से जूझ रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस हिंसाग्रस्त राज्य का अब दौरा करना कोई बड़ी बात' नहीं है।

भड़कने के बाद से प्रधानमंत्री का यह पहला मणिपुर दौरा होगा। रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद राहुल गांधी ने कहा, उन्होंने हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव चुरा लिए। हमने हाल ही में कर्नाटक में यह साबित कर दिया। इसलिए, मुख्य मुद्दा वोट चोरी' है। हर जगह लोग वोट चोर' का नारा लगा रहे हैं।"

अनिल विज का विस्फोटक दावा, अंबाला में कुछ लोग चला रहे समानांतर भाजपा

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा के वरिष्ठ भाजपा नेता और परिवहन मंत्री अनिल विज ने एक बार फिर राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के भीतर राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पार्टी के भीतर अपने विरोधियों से निपटने के तरीके पर जनता की राय मांगी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अम्बाला छावनी में कुछ लोग समानांतर भाजपा चला रहे हैं जिनको ऊपर वालों का आशीर्वाद भी प्राप्त है। कमेंट बॉक्स में लिखें कि हम क्या करें। पार्टी का बहुत नुकसान हो रहा है। विज हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री और पार्टी के वरिष्ठतम नेता तथा अंबाला से सात बार विधायक रहे हैं। यह पहली बार नहीं था जब विज ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर निशाना साधा हो। फरवरी में, हरियाणा भाजपा ने मुख्यमंत्री नायब सैनी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडोली

के खिलाफ सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने के लिए विज को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। रिपोर्टों के अनुसार, विज ने सैनी पर पिछले विधानसभा चुनाव में प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार और कांग्रेस की बागी चित्रा सरवारा का समर्थन करके उन्हें हराने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। सात बार विधायक और हरियाणा में भाजपा का एक प्रमुख चेहरा, विज ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री सैनी के करीबी लोगों ने उनकी प्रतिद्वंद्वी चित्रा सरवारा का सक्रिय रूप से समर्थन किया था, जिन्होंने अंबाला छावनी निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। सरवारा को 7,000 से ज्यादा वोटों से हराने के बावजूद, विज ने आरोप लगाया कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने आशीष तायल नाम के एक व्यक्ति से गठजोड़ किया, जो सैनी का करीबी होने का दावा करता है

लोगों को डर है कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा, इसीलिए लगाया जा रहा टैरिफ : भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत पर टैरिफ इस डर से लगाया गया है कि अगर यह देश मजबूत हो गया तो उनके साथ क्या हो सकता है। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, ऐसे कदम आत्मकेंद्रित दृष्टिकोण का परिणाम हैं। वह नागपुर में ब्रह्माकुमारीज विश्व शांति सरोवर के सातवें स्थापना दिवस पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, दुनिया के लोग इस बात से भयभीत हैं कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनके साथ क्या होगा और उनकी स्थिति क्या होगी। इसीलिए भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ लगाए गए हैं। लेकिन हमने कुछ नहीं किया। जब आप सात समुद्र दूर हैं और कोई संपर्क नहीं है, तो डर क्यों? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिसमें रूस से तेल खरीद पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क भी शामिल है। भारत ने इसे अनुचित और अविवेकपूर्ण करार दिया है। भागवत ने

कहा, जब तक मनुष्य और राष्ट्र अपने वास्तविक स्वरूप को नहीं समझेंगे, तब तक वे समस्याओं का सामना करते रहेंगे। अगर हम करुणा दिखाएं और भय पर विजय पाएं, तो हमारा कोई शत्रु नहीं रहेगा। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अगर मनुष्य अपना रवैया मैं से हम में बदल लें तो सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे। उन्होंने कहा, आज दुनिया समाधान खोज रही है, क्योंकि अपनी अधूरी दृष्टि के कारण वह आगे बढ़ने का रास्ता नहीं खोज पा रही है। सिर्फ. मैं के दृष्टिकोण के कारण उनके लिए रास्ता खोजना असंभव है। भागवत ने कहा कि भारत विश्व की समस्याओं का समाधान ढूंढ़ने और आगे का रास्ता दिखाने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि भारत महान है और भारतीयों को भी महान बनने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत बड़ा है तथा वह और बड़ा होना चाहता है। भागवत ने कहा कि भारतीयों में

महिलाओं द्वारा संचालित आध्यात्मिक आंदोलन ब्रह्माकुमारीज की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस भी आंतरिक चेतना को जागृत करने के लिए उन्हीं की तरह काम करता है।

अपनेपन की प्रबल भावना होती है और वे अभाव के समय में भी खुश और संतुष्ट रहते हैं। उन्होंने कहा, कोई कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन अगर है भी, तो समय आने पर बदल जाएगी। फिर भी, कठिनाई और दुःख में भी, यहां के लोग इसी अपनत्व की भावना के कारण संतुष्ट रहते हैं। महिलाओं द्वारा संचालित आध्यात्मिक आंदोलन ब्रह्माकुमारीज की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस भी आंतरिक चेतना को जागृत करने के लिए उन्हीं की तरह काम करता है।

वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में वीआईपी दर्शन बंद, अब सबको लाइन में लग कर ही करने होंगे दर्शन

मथुरा (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्री बांके बिहारी मंदिर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति ने आज अति विशिष्ट व्यक्ति (वीआईपी) पास तत्काल प्रभाव से बंद करने और दर्शन के लिए सीधा प्रसारण शुरू करने सहित कई बड़े फैसलों की घोषणा की। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित उच्चाधिकारप्राप्त समिति ने एक बैठक में मंदिर में दर्शन एवं सुरक्षा व्यवस्था में सुधार लाने का एक बड़ा प्रयास किया है। जिला सूचना अधिकारी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, मंदिर में पर्ची कटाकर वीआईपी के तौर पर दर्शन करने की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है और इसके लिए वीआईपी कटघरा भी हटा दिया जाएगा। विज्ञप्ति में बताया गया कि अब हर व्यक्ति को लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना होगा, जिससे मंदिर प्रशासन पर भेदभाव का आरोप नहीं लगेगा और दर्शनार्थियों में अनावश्यक धक्का-मुक्की भी नहीं होगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अगले तीन दिनों में यह तय कर देंगे कि किस-किस द्वार से प्रवेश होगा और किस-किस द्वार से निकासी की जा सकेगी। इसके अलावा अब मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस अथवा निजी गार्डों के स्थान पर पूर्व सैनिकों अथवा प्रोफेशनल सुरक्षा एजेंसियों को सौंपी जाएगी। विज्ञप्ति में बताया गया कि अब दर्शन के लिए मंदिर पहले से ज्यादा समय तक खुला

रहेगा और यही नहीं दर्शनार्थियों को दुनिया के किसी भी कोने से ठाकुर जी के दर्शन प्राप्त करने की सुविधा भी जल्द ही शुरू की जाएगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, गर्मियों में मंदिर तीन घंटे और सर्दियों के दिनों में पौने तीन घंटे अधिक समय के लिए खुलेगा। समिति ने यह भी तय किया कि मंदिर के भवन का आईआईटी रुड़की से संरचनात्मक ऑडिट कराया जाए और यह भी पता लगाया जाए कि मंदिर के पास कुल कितनी चल-अचल संपत्ति है। समिति ने विशेष तौर पर वर्ष 2013 से 2016 तक के समय की अनियमितताओं की

श्री बांके बिहारी मंदिर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति की विज्ञप्ति में बताया गया है कि अब हर व्यक्ति को लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना होगा, जिससे मंदिर प्रशासन पर भेदभाव का आरोप नहीं लगेगा और दर्शनार्थियों में अनावश्यक धक्का-मुक्की भी नहीं होगी।

जांच के लिए विशेष ऑडिट कराने और 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट समिति के समक्ष रखने का भी निर्णय लिया है। समिति ने मंदिर के गर्भगृह में वर्षों से बंद कमरे को खोलने का निर्णय लिया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, इसके साथ ही वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी ताकि यह रिकॉर्ड किया जा सके कि कमरे में क्या-क्या है। बहरहाल, वृन्दावन का बांकेबिहारी मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहाँ आने वाला हर भक्त अपने ईष्टदेव के दर्शन का वही अधिकार रखता है जो किसी और का है। ऐसे में मंदिर प्रशासन का ह्यवीआईपी दर्शनह्न बंद करने का निर्णय निस्संदेह स्वागत योग्य और समयोचित कदम है। अब तक की व्यवस्था में विशेषाधिकार प्राप्त लोग सीधे दर्शन कर लेते थे, जबकि आम श्रद्धालुओं को घंटों कतार में खड़ा रहना पड़ता था। मंदिर जैसा पावन स्थल किसी भी तरह की असमानता का प्रतीक नहीं बनना चाहिए। भक्ति का मूल तत्व ही समानता और निष्काम भाव है। इस दृष्टि से यह निर्णय मंदिर की गरिमा और परंपरा दोनों को पुष्ट करता है। इस फैसले के दूरगामी लाभ भी होंगे। भीड़ प्रबंधन अधिक सहज होगा, असंतोष और अव्यवस्था की स्थिति कम होगी तथा सबसे महत्वपूर्ण, भक्तों को यह अनुभव होगा कि ईश्वर के सामने सब समान हैं। इससे मंदिर प्रशासन पर लगे व्यापारीकरण और विशेष वर्ग के प्रभाव की आलोचना भी स्वतः समाप्त हो जाएगी। श्री बांके बिहारी मंदिर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति का यह कदम केवल एक धार्मिक स्थल की आंतरिक व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को यह सांस्कृतिक संदेश भी देता है कि आस्था और भक्ति में कोई ऊँच-नीच, छोटा-बड़ा नहीं होता।

संपादकीय

बढ़ती-घटती दोस्ती

भारत और अमेरिका के बीच ट्रैरिफ वॉर के चलते अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड् ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जल्द मिलने और ट्रेड़ बैरियर खत्म करने की बात की है। ट्रंप ने सोशल मीड़िया प्लेटफार्म ट्रुथ पर लिखा, यह ट्रेड़ बैरियर खत्म करने के लिए बातचीत जारी है, और मैं अपने अच्छे दोस्त मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हूं। कुछ ही घंटों बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत व अमेरिका अच्छे दोस्त व स्वाभाविक सहयोगी हैं। मैं भी राष्ट्रपति ट्रंप से बात करने का इंतजार कर रहा हूं। दोनों देशों के बीच रूस से तेल खरीद के मुद्दे को लेकर टसल का नतीजा था कि ट्रंप ने भारत पर 50प्र. टैरिफ जड़ते हुए अमेरिका की नाराजगी जताई थी। इस कारण भारत का करीब पिच्चासी हजार करोड़. रुपये का निर्यात प्रभावित हो रहा है जिसमें मुख्यतः दवाएं, आभूषण, कपड़े, पेट्रोलियम, टेलीकॉम ड़िवाइस शामिल हैं। भारत भी अमेरिका से पेट्रोलियम, अंतरिक्ष यानों के कलपुर्जे, विमान, हीरे व कोयला आदि का आयात करता है। टैरिफ दोनों देशों के बाजार को झटका देने वाला है। मगर इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह उथल-पुथल स्थायी नहीं हो सकती। ट्रंप जुबान के पक्के नहीं हैं, यह अमेरिकी विशेषज्ञ भी मानते हैं। उन्होंने रूस व चीन के राष्ट्रपति पुतिन व जिनपिंग के साथ मोदी को बीते हफ्ते देखने के बाद ट्रुथ पर पोस्ट किया था कि हमने भारत व रूस को चीन के हाथों खो दिया है। इसे देखते हुए आकलन लगाया गया कि ट्रंप इस तिकड़ी से घबरा रहे हैं। उनकी नरमी के पीछे अमेरिकी दिग्गजों का दबाव भी माना जा रहा है जिनके साथ बीते हफ्ते रात्रिभोज के दौरान ट्रंप की लंबी बातचीत हुई थी। दोनों देशों की तरफ से की गई द्विपक्षीय टिप्पणी तल्खी को मिटाने का संकेत है। रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति यूरोपीय संघ से अपील कर चुके हैं कि वह भारत और चीन पर सौ फीसद टैरिफ लगाए। विशेषज्ञों के अनुसार भारत-अमेरिका संबंध केवल टैरिफ के नजरिए से नहीं आंके जा सकते। इन संबंधों में बड़ी संख्या में प्रवासी भी हैं और प्रति वर्ष उच्च शिक्षा लेने जाने वाले छात्रों की भीड़. भी है। बेशक, यह आर्थिक झटका जोखिमपूर्ण है मगर मानव-श्रम, रोजगार, प्रतिभाओं और पुराने परिपक्व और बहुआयामी संबंधों का ख्याल रखते हुए खटास मिटाने में पहल करने के संकेत सकारात्मक साबित हो सकते हैं।

चिंतन-मनन

क्या हैं आध्यात्मिक होने का अर्थ

यह प्रश्न किसी भी जिज्ञासु के मन में उठ सकता है कि हमें ठीक-ठीक ऐसा क्या करना चाहिए ताकि वह जो परम है, जो परमेश्वर है, वह मेरे जीवन में घटित हो सके? सद्गुरु इसका उत्तर देते हैं कि अध्यात्म भीगी बिल्लियों के लिए नहीं है, क्या तुम समझ रहे हो? तुम अपने जीवन में और कुछ भी नहीं कर सकते हो, लेकिन सोचते हो कि मैं आध्यात्मिक हो सकता हूँ, ऐसा नहीं है। अगर तुम इस संसार के किसी भी काम को अपने हाथ में लेकर कर सकते हो, फिर तुम्हारे आध्यात्मिक होने की एक संभावना पैदा हो सकती है, अन्यथा नहीं। अगर तुम्हारे पास इस संसार के किसी भी काम को लेकर और अच्छी तरह से करने की शक्ति और साहस है, तब तुम संभवतः आध्यात्मिक हो सकते हो। यह उन लोगों के लिए नहीं है, जो कुछ भी नहीं कर सकते। अभी, पूरे देश के मन में यही बैठा हुआ है, संभवतः पूरे संसार के मन में, कि वे निकम्मे और नालायक लोग, आध्यात्मिक लोग होते हैं, क्योंकि वे तथाकथित आध्यात्मिक लोग वैसे ही हो गए हैं। वे लोग जो किसी भी चीज को करने के लायक नहीं हैं, वे बस यही करते हैं कि एक गेरुआ वस्त्र पहन कर और किसी मंदिर के सामने बैठ जाते हैं; उनका जीवन सँवर जाता है। यह अध्यात्म नहीं है, यह वर्दी पहनकर बस भीख माँगना है। अगर तुम्हें अपनी चेतना पर विजय प्राप्त करनी है, अगर तुम्हें अपनी चेतना के शिखर पर पहुँचना है, वहाँ एक भिखारी कभी नहीं पहुँच सकता। दो तरह के भिखारी होते हैं। गौतम बुद्ध तथा उस स्तर के लोग उच्चतम श्रेणी के भिखारी हैं। दूसरे सभी निपट भिखारी हैं। मैं तो कहूँगा कि एक सड़क का भिखारी तथा राजगद्दी पर बैठा हुआ एक राजा, दोनों ही भिखारी हैं। वे निरन्तर बाहर से कुछ माँग रहे होते हैं। सड़क का भिखारी हो सकता है कि पैसा, भोजन या आय माँग रहा हो। राजा हो सकता है कि किसी दूसरे राज्य पर विजय, खुशी या कुछ इस तरह की अनर्गल चीजें माँग रहा हो। क्या तुम देखते हो, हर व्यक्ति किसी न किसी चीज की भीख माँग रहा हैः गौतम बुद्ध ने केवल अपने भोजन के लिए भिक्षा माँगी, शेष चीजों के लिए वे आत्मनिर्भर थे। दूसरे सभी लोग, बस एक ही चीज के लिए भीख नहीं माँगते, अपना भोजन भीख में नहीं माँगते, बाकी सभी चीजों के लिए भीख माँगते हैं। उनका पूरा जीवन ही भीख माँगना है। केवल भोजन अर्जित करते हैं। लेकिन एक आध्यात्मिक व्यक्ति, केवल भोजन के लिए भिक्षा माँगता है, अन्य सभी चीजें अपने भीतर से अर्जित करता है। जिस भी तरह से रहना तुम बेहतर मानते हो, उसी तरह से रहो।

आवश्यकता है
आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।
9456884327/8218179552

18 वीं शताब्दी में ऊपरी दोआब की दिल्ली की राजनीति में भूमिका

अनंत कुमार त्यागी

गंगा-यमुना ऊपरी दोआब क्षेत्र की ऐतिहासिक महत्ता प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक बनी हुई है। ताम्रयुगीन सभ्यता से लेकर स्वतंत्रता आन्दोलन तक के काल के अन्तर्गत इस क्षेत्र की महत्ता असंदिग्ध है। सिन्धुघाटी की सभ्यता का विस्तार लगभग 13 लाख वर्ग किमी॰ क्षेत्र में फैला हुआ था। यह सभ्यता पूरब में आलमगीरपुर (मेरठ) से पश्चिम में सुत्कागेनडोर, उत्तर में माँडा से लेकर दक्षिण में दायमाबाद तक फैली हुई थी। इस सभ्यता का काल 3500 ई॰ पू॰ माना गया है। इस सभ्यता का पूर्वी स्थल आलमगीरपुर मेरठ से लगभग 25 किमी॰ पश्चिम में स्थित है। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में आलमगीरपुर गाँव में स्थित पुरातात्विक महत्व का स्थल सिंधुघाटी सभ्यता के पूर्व दिशा में सबसे अंतिम स्थलों में से एक है। इस स्थल को ह्यपरसराम का खेड़ाह्न भी कहा जाता था। इस स्थल की खोज 1947 में पंजाब विश्वविद्यालय ने की थी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के द्वारा इसका उत्खनन 1958-59 में हुआ ।

मेरठ और सहारनपुर मण्डल में निष्पक्ष रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र है। ये दोनों मण्डल गंगा-यमुना के ऊपरी दोआब में अवस्थित है। इस क्षेत्र में मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, पंचशीलनगर, गौतमबुद्धनगर (नोएडा), बुलन्दशहर, मुजफ्फरनगर, प्रबुद्धनगर , सहारनपुर और हरिद्वार दस जिलों का भौगोलिक क्षेत्र समाहित है। इस क्षेत्र की

उत्तरी सीमा उत्तराखण्ड के हरिद्वार जिले से घिरी है जबकि दक्षिणी सीमा उत्तर प्रदेश के अलीगढ जिले को छूती है। यमुना पश्चिम में हरियाणा और संघ शासित प्रदेश दिल्ली से सटी है। पूरब में गंगा मुरादाबाद मण्डल क्षेत्र को स्पर्शकरती है। इस क्षेत्र का आकार एक आयत की भाँति प्रतीत होता है। हिन्डन इस ऊपरी दोआब क्षेत्र की तीसरी महत्वपूर्ण नदी है जो सहारनपुर से अलीगढ़ भौगोलिक क्षेत्र तक प्रवाहित होती है। यह मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत और गाजियाबाद जिलों से होकर बहती है। सोलानी, काली, कृष्णा, मस्कारा, बुद्धि गंगा और नीमनदी आदि इस क्षेत्र की अन्य प्रमुख नदियाँ हैं।

भारत पर अधिकांश विदेशी आक्रमण सिन्ध और पंजाब मार्ग से हुए` दिल्ली के मार्ग और निकटवर्ती छेत्र होने के कारण गंगा यमुना का दोआब छेत्र सक्रिय रहा और काफी उतार चढ़ाव देख बहादुर और कुशल होता गया` यही वह छेत्र है जिसने मुगल साम्राज्य को नयी दिशा दी और दिल्ली की राजनीति को अपनी मुट्ठी मे करके छेत्र के गौरव को बढ़ाया `मुगल साम्राज्य के विघटन की प्रक्रिया औरंगजेब की मृत्यु के साथ ही आरंभ हो चुकी थी किंतु औरंगजेब की मृत्यु के बाद भी मुगल सत्ता शक्तिशाली बनी रही। विभिन्न स्थानों पर विद्रोह जारी रहे। सिख, राजपूत और मराठे मुगल साम्राज्य को चुनौती तो देते रहे किंतु साम्राज्य को उखाड़ फेंकने में कोई भी सक्षम नहीं था। वे केवल अपने क्षेत्रों की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे थे। औरंगजेब का कोई भी उत्तराधिकारी इस योग्य नहीं था कि साम्राज्य के भाग्य का निर्णय कर पाता। एक के बाद एक अयोग्य, दुर्बल एवं दूसरों पर निर्भर उत्तराधिकारियों के चयन ने साम्राज्य के पतन को तीव्र कर दिया। 18 वीं शताब्दी के आरंभ में साम्राज्य के समक्ष अनेक प्रशासनिक, राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं ने सर उठाया। खजाने की स्थिति भी शोचनीय हो गई थी। वंशानुगत जमींदार अपने विशेष अधिकारों का लाभ ले रहे थे। उन्होंने साम्राज्य में अपना विशेष स्थान बना लिया था। वे स्थानीय प्रशासन और राजस्व संग्रह में राज्य की मदद करते थे। उन्हें रईस, ठाकुर, खुत अथवा देशमुख के नाम से पुकारा जाता था। इनके पास पर्याप्त संख्या में सैनिक थे। मुगल सम्राटों ने किसानों से सीधा संपर्क बनाने का प्रयास किया किंतु असफल रहे। यह वर्ग और अधिक शक्तिशाली होता चला गया और क्षेत्रीय निष्ठा भी उससे जुड़ती चली गई। यह रईस साम्राज्य की दुर्बलता का बड़ा कारण बने। उन्होंने अपने स्वतंत्र राज्य बना लिए। इन्होंने क्षेत्रीय जमींदारों को लाभ पहुंचाया और उनकी वफादारी के पात्र बने। उन्हें उसके एवज में जागीर और मनसब दिए जाने लगे। इस नवीन शक्तिशाली समूह में प्रतिद्वंदिता और ईर्ष्या का आरंभ हुआ। यह आपस में संघर्षरत हुए जिससे मुगल सम्राट की सर्वोच्चता पर भी प्रश्नचिन्ह लग गया। उनके बीच सत्ता के लिए संघर्ष ने मुगल साम्राज्य के पतन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जाट, सिख और मराठे औरंगजेब के शासनकाल में ही शक्तिशाली हो चुके थे। उन्होंने मुगलों के विरुद्ध भी संघर्ष किया। भले ही वे उस समय सफल नहीं हुए किंतु भविष्य के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वोच्च शक्ति बन कर उभरे

दिल्ली की राजनीति में दोआब छेत्र की भूमिका का आरम्भ

1712 से 1721 ई तक मुगल दरबार में सैय्यद बंधुओं हुसैन अली और अब्दुल्ला का वर्चस्व बना रहा और वे किंगमेकर के नाम से जाने जाते गये। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के जानसठ नामक स्थान पर हुआ था। यह सैय्यदों की तिरहनपुरी शाखा से सम्बंधित थे। सैय्यद बंधुओं ने चार मुगल बादशाहों को गद्दी पर बैठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह भारत के इतिहास की पहली बड़ी घटना है जिसमें दोआब के दो छोटे जमींदार भाइयों ने दिल्ली की राजनीति में उथल पुथल मचा दी और दोआब छेत्र के गौरव और शक्ति दोनों को बढ़ाया` 1708 ई में मुगल शहजादे अजीमउसशान ने हुसैन अली को बिहार में एक महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया। 1711 ई में उसने अब्दुल्ला खां को इलाहाबाद में अपना नायब न्युक्त किया। उसके इस एहसान के बदले सैय्यद बंधुओं ने उसे उसके पुत्र फर्रूखसियर का उत्तराधिकार के युद्ध में साथ दिया और उसे गद्दी पर बैठाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। फर्रूखसियर ने अब्दुल्ला खां को अपना वजीर न्युक्त किया और हुसैन अली को मीर बख्शी पद पर नियुक्त किया। इस प्रकार दरबार के दो मुख्य पद हासिल कर सैय्यद भाइयों ने अपनी कूटनीतिक योग्यता का परिचय दिया`

दरबारी षडयंत्रकारियों में मीर जुमला प्रमुख था। वह बादशाह का कृपा पात्र था। वह इत्काद खां को अब्दुल्ला खां के स्थान पर वजीर बनाना चाहता था। बादशाह भी उसके पक्ष में हो गया और वे अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने लगे। अब्दुल्ला खां ने भी विशाल सेना एकत्र कर ली। हुसैन अली अपने भाई के पक्ष में मराठों की मदद लेकर दिल्ली पर चढ आया। अब्दुल्ला खान ने सरबुलंद खां, निजामउलमुल्क और अजीत सिंह को अपने साथ मिला लिया। बादशाह को सैय्यद बंधुओं की मांगे माननी पड़ीं। सैय्यद बंधुओं ने 28 अप्रैल 1719 ईङ्क को फर्रूखसियर की हत्या कर दी। यह सैय्यद बंधुओं की शक्ति का चरमोत्कर्ष का काल था। उन्होंने रफीउदरजात को गद्दी पर बैठाया। उसकी मृत्यु के बाद रफीउदौला को बादशाह बना दिया। उसकी भी मृत्यु पेचिस से हो गई। इसके पश्चात उन्होंने मोहम्मदशाह को गद्दी पर बैठाया जो नाम मात्र का बादशाह था एवं उनके कैदियों की भांति लाल किले में रहता था।

ईरानी और तुरानी सरदार षडयंत्र कर उन्हें समाप्त करना चाहते थे। सैय्यद बंधुओं ने निजामउलमुल्क से खतरा जान उसे मालवा का सूबेदार बनाकर दिल्ली से बाहर भेज दिया। निजामउलमुल्क ने असीरगढ़ और बुरहानपुर के दुर्ग जीत लिए और आलम अली खां जो हुसैन अली का दत्तक पुत्र था एवं दक्कन का नायब सूबेदार था, मार डाला। एत्मादुदौला, सआदत अली खां, हैदर खां और प्रमुख बेगम ने एक षड्यंत्र रचा। हुसैन अली के दरबार से वापस लौटते समय हैदरखां ने एक याचिका प्रस्तुत की। जब हुसैन अली उसे पढ़ रहा था तो हैदर खां ने छुरा घोंपकर उसकी हत्या कर दी। हुसैन अली की हत्या का बदला लेने के लिए अब्दुल्ला खां ने मोहम्मदशाह के स्थान पर एक अन्य कठपुतली बादशाह को बैठाने के लिए एक विशाल सेना एकत्र की किन्तु 13 नवंबर 1720 ईङ्क को हुसैनपुर नामक स्थान पर पराजित हुआ और बंदी बना लिया गया। 11 अक्टूबर 1722 ईङ्क को उसे विष देकर मार दिया गया। इस प्रकार सैय्यद बंधुओं का अंत हो गया। सैय्यद बंधुओं की सम्पत्ति पर मौहम्मद अमीन खां का अधिकार हो गया जो मुजफ्फरनगर क्षेत्र में अपना अस्तित्व बनाने में सफल रहा।

सरधना रियासत और बेगम समरू

मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय ने सोम्ब्रे के सहयोग से प्रसन्न होकर उसके लिए दिल्ली में महल बनवाया और उसे सरधना की जागीर दी। फरजाना उर्फ बेगम समरू भी अपने पति के साथ सरधना में ही बस गई। 1778 ईङ्क में सोम्ब्रे की मृत्यु के पश्चात वह सरधना जागीर की वारिस बनी। वह एक बड़ी जागीर की मालिक बन चुकी थी। उसनें सरधना में अपने पति की याद में एक भव्य चर्च बनवाया।

मुगल साम्राज्य की दुर्बलता का लाभ उठाकर जहां जाट, मराठा, रुहेले और सिख दिल्ली पर कब्जा करना चाहते थे वहीं बेगम समरू ने मुगल सम्राट की अपनी सेना सहित मदद की। मुगल सम्राट ने उसे सम्मानित किया और जेबुन्निसा (प्रिय बेटी) की उपाधि दी। बेगम समरू ने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया और जोहना नोबीलिस सोम्ब्रे के नाम से जानी गई। वह देश की एकमात्र कैथोलिक ईसाई शासक हुई। वह मुगल साम्राज्य को लंबे समय तक मदद पहुंचाती रही । बेगम समरू ने मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय की मदद कर लड़खड़ाते मुगल साम्राज्य को स्थायित्व दिया और दिल्ली की राजनीति में दोआब छेत्र का दखल बढ़ा दिया` 1773 ई॰ में जब बघेल सिंह के नेत्रत्व में 30000 सिखों की सेना ने दिल्ली का घेरा डाला तब बेगम के आग्रह पर वे मान गए और कुछ धन और उपहार लेकर वापस पंजाब लौट गए` इस प्रकार बेगम की सूझबूझ से दिल्ली पर आए संकट के बादल हट गए` 1787 ई॰ बूढ़ा मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय नजफ कुली खाँ के विद्रोह को दबाने के लिए गोकुलगढ़ के निकट पहुँचा तब उसकी सेना डगमगा गई` बेगम ने 100 सैनिको के साथ अपनी बन्दूकों से नजफ कुली खाँ की सेना पर गोलीबारी की जिससे वह पीछे हट गया` बेगम की कूटनीति से वह समझौता करने को विवश हो गया` शाहआलम बेगम का आभारी हो गया और उसे दरबार मे विशेष सम्मान दिया गया`

1806 ई॰ में अकबर द्वितीय मुगल सम्राट बना

उसने दिल्ली के चाँदनी चौक में बेगम समरू को एक महल भेंट दिया जो वर्तमान में भगीरथ पैलेस के नाम से जाना जाता है` हरियाणा के झारसा में भी बेगम का शासन था और एक महल भी निर्मित कराया गया था` सरधना के बेगम समरू के महल में मुगल सम्राट अकबर द्वितीय का काफी आना जाना रहता था

इस प्रकार देखा जा सकता है की दोआब छेत्र की सरधना रियासत की एक महिला शासक ने दिल्ली की राजनीति में अपने दखल से न केवल मुगल सम्राट को बल दिया अपितु ऊपरी दोआब में सरधना रियासत की सीमाओं को विस्तारित किया और दिखा दिया की दोआब छेत्र की मदद के अभाव में दिल्ली की राजनीति का चलना नामुमकिन है`

नजीब रूहेला एवं उसके उत्तराधिकारी जाबिता खाँ एवं गुलाम कादिर रूहेला : रोहिल्ला शब्द 17वीं शताब्दी में प्रचलन में आया। अफगानिस्तान के रोह प्रांत से भारत में आने वाली जाति रोहिल्ला कहलाई। यह पश्तून वंश से हैं। इन्हीं के नाम पर रूहेलखंड का नामकरण हुआ।1720 ईङ्क में बिशारत खां घोड़ों का व्यापार करने हिंदुस्तान आया और रामपुर के पास सिरसा नामक स्थान पर बस गया। 1740 ईङ्क में नजीब खां अपने साथियों एवं घोड़े लेकर अपने चाचा के पास रुहेलखंड क्षेत्र पहुंचा। बिशारत खां ने अली मोहम्मद खां की सेवा में नजीब को लगवा दिया। अपनी बहादुरी एवं योग्यता से वह ऊपर उठता चला गयो सफदरजंग ने मुगल बादशाह के खास जावेद खवास को धोखे से मरवा दिया क्योंकि वह उससे अच्छा व्यवहार नहीं करता था। बादशाह इसको लेकर सफदरजंग से रूष्ट रहने लगा। गाजीउद्दीन जो निजाम आसफजहां का पौत्र था, वह दिल्ली दरबार में प्रभावशाली हो चला था। वह सफदरजंग से भी अप्रसन्न रहता था। उसने सफदरजंग को कई बार नीचा दिखाया जिस कारण सफदरजंग ने विद्रोह कर दिया। उसने बादशाह के सामने दूसरा उत्तराधिकारी खड़ा कर दिया। गाजीउद्दीन का पक्ष नजीब खां ने आकर मजबूत कर दिया। जाट शासक सूरजमल ने सफदरजंग का सहयोग किया। लंबे संघर्ष के बाद संधि हुई जिसके पश्चात सफदरजंग को वजीर का पद छोड़ना पड़ा। यह पद गाजीउद्दीन के चाचा कमरुद्दीन को सौंपा गया। इस सब में नजीब खां की महत्वपूर्ण भूमिका थी। बादशाह ने नजीब खां को पुरस्कृत किया। नजीब को मुजफ्फरनगर और सहारनपुर की जागीर से नवाजा गया। नजीब खां अब नवाब नजीबउद्दौला बन चुका था। उसने अपनी जागीर को तीन स्थानों से नियंत्रित किया और मुजफ्फरनगर में शुक्रताल, सहारनपुर जिले में गौसगढ, साहनपुर रियासत में एक किले का निर्माण किया। यह किला पत्थरगढ़ के नाम से जाना गया। इसके निकट नजीब ने एक शहर भी बसाया जिसका नामकरण नजीबाबाद के नाम से किया गया।

नजीबुद्दौला जब मुगल वजीर बना तो उसने बादशाह को सुझाव दिया की अगर वह अपने शासन का स्थायित्व चाहता है तो वह स्थानीय जाट और शक्तिशाली गुर्जर सरदारों को सुविधाएं प्रदान कर अपनी और मिला ले क्यूंकि मराठों की शक्ति को तभी ललकारा जा सकता है। इससे एक और तो उसे सस्ते मे बहादुर सैनिक प्राप्त होंगे वहीं दूसरी और युद्ध काल मे रसद सामाग्री आसानी से प्राप्त होती रहेगी ।

दिल्ली छेत्र में भाटी गोत्र के दरगारी सिंह ने दादरी गाँव मे एक किला बनाया और आसपास के गावों पर कब्जा कर लिया। नजीबुद्दौला ने अपनी शक्ति का प्रयोग कर उन गावों मे से 133 गावों का अधिकार बादशाह से उसे दिलवाया और उसे अपने गुट मे शामिल कर लिया। मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय ने उसे राव की उपाधि प्रदान की । इस प्रकार अपनी कूटनीति से उसने एक शक्तिशाली सरदार को अपनी और मिला लिया ।

कुचेसर के शासक मंगनीराम और रामधन सिंह जाट भरतपुर के जाट राज्य के सहयोगी थे

महाराजा सूरजमल की हत्या का बदला लेने को जब उनके पुत्र जवाहरमल ने दिल्ली पर हमला किया तब मंगनीराम और रामधन सिंह ने वीरता दिखाई । 1765 ई॰ में जब जवाहरमल वापस लौट गया तब नजीबुद्दौला ने उन्हे अपने गुट में मिला लिया और उन्हे नौ परगना की जागीर दी। वे नजीबुद्दौला के सहयोगी बने रहे ।

लंढ़ौरा के सरदार सभा चंद्र को मोहम्मदशाह ने 600 गांव दिए थे। नजीबउद्दौला इस गुर्जर रियासत को अपने गुट में मिलाना चाहता था । 1759 ई में जब नजीब इस क्षेत्र का गवर्नर बना तो उसने सभाचंद्र के पुत्र नाहर सिंह को 600 गांव में से 505 गांव और 31 मजरों पर पूर्ण अधिकार प्रदान किया। नाहर सिंह भी राव सभाचंद्र की तरह वीर और साहसी था। नजीबुद्दौला ने उसका समर्थन हासिल कर अपनी स्थिति को मजबूत बनाया । 4 उसकी इस नीति के कारण अवध के नवाब शुजाउद्दौला, मुगल सम्राट शाहआलम, नजीबुद्दौला और स्थानीय शक्तिशाली सरदारों का एक गुट बन गया जो मराठों पर भारी पड़ा और एक बार फिर ऊपरी दोआब के सहयोग से दिल्ली से मराठों को मराठाबाड़ में धकेलकर दिल्ली की राजनीति में ऊपरी दोआब का वर्चस्व स्थापित हो गया ।

दिल्ली का युद्ध (1757 ई): 1757 ईङ्क में अहमदशाह अब्दाली ने हिंदुस्तान पर आक्रमण किया। इसी क्रम में नजीब खां का दिल्ली में प्रभाव बढ़ गया और वह मीर बख्शी बन गया। मुगल बादशाह नाम मात्र का शासक रह गया था। अब नजीब ही वास्तविक शासक था। अब्दाली के वापस लौटने पर नजीब को मराठों से संघर्ष करना पड़ा जिसमें मराठों को सफलता मिली। उसे दिल्ली छोड़नी पड़ी। वह पानीपत के तृतीय युद्ध के लिए उत्तरदाई था।

पानीपत का तृतीय युद्ध [1761 ई॰]

नजीबुद्दौला ने अब्दाली को इस्लाम का वास्ता देकर आक्रमण के लिए पुनः निमंत्रित किया । उसने इस्लाम के नाम पर अवध के नवाब शुजाउददौला और अन्य मुस्लिम सरदारों को अपनी और मिला लिया। उसने कहा कि वह विदेशी दक्षिण के मराठों से उत्तर भारत को स्वतंत्र कराना चाहता है। उधर मराठे हिन्दू शासकों जैसे जाट और राजपूतों का सहयोग प्राप्त न कर सके। मराठों को युद्ध के समय खाने की सामग्री का अभाव हो गया जबकि अब्दाली की सेना को अवध और नजीबुदौला के माध्यम से रसद सामग्री मिलती रही । अंततः पानीपत के तीसरे युद्ध में मराठा सेना सदाशिव राव भाऊ के नेत्रत्व में 14 जनवरी 1761 ई॰ को अब्दाली और नजीबुद्दौला के गठबंधन के सामने बुरी तरह पराजित हुई । इस प्रकार दिल्ली का मुगल बादशाह एक बार पुनः दोआब छेत्र के शासक नजीबुद्दौला के हाथों की कठपुतली बन गया । मुगल साम्राज्य की दुर्बलता का उसने भरपूर लाभ उठाया । दिल्ली की राजनीति में एक बार पुनः दोआब छेत्र का वर्चस्व हो गया।

हापुड़ में नजीबुद्दौला की 1770 ई में मृत्यु हो गई। उसके मृत शरीर को नजीबाबाद ले जाया गया जहां उसे दफनाया गया और उसकी याद में एक मकबरा बनवाया गया। उसके पुत्र जाबिता खां को रुहेला प्रमुख स्वीकार कर लिया गया। फरुर्खाबाद के पठान मराठों के साथ मिल गए। उन्होंने मुगल बादशाह शाहआलम को दिसंबर 1771 ईङ्क में दिल्ली जाने के लिए प्रेरित किया और संरक्षण दिया। उन्होंने जाबिता खां की शक्ति को समाप्त करने का हर संभव प्रयास किया। फैजुल्ला खां जो जाबिता खां की पत्नी का भाई था उसने बादशाह-मराठा-पठान संघ का सामना करने के लिए उसे मना किया। जाबिता खां ने उसकी बात न मानते हुए दिल्ली का रुख किया और शुक्रताल में पड़ाव डाला। शाही सेना और रुहेला सेना में युद्ध निश्चित था। जाबिता खां ने बादशाह से युद्ध की पेशकश की। रोचक मुकाबला हुआ। रुहेले तोप के गोलों के आगे न टिक पाए और पीछे हट गए। मराठों ने उनका तोपखाना, रसद एवं अन्य सामग्री लूट ली। मराठे अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए नजीबाबाद की ओर आगे बढ़े। उन्होंने गंगा पार कर नजीबाबाद और नजफगढ़ पर कब्जा कर लिया। मराठों ने पानीपत के युद्ध में मारे गए मराठों का प्रतिशोध लेने के लिए नजीबुद्दौला की कब्र को नष्ट कर दिया एवं अस्थियों को बाहर फेंक दिया। उधर शाही सेना ने ऊपरी दोआब और गौसगढ़ को छोड़कर संपूर्ण रुहेला चौकियों को तबाह कर दिया। जाबिता खां का परिवार बादशाह के हाथों में आ गया। उसके पुत्र गुलाम कादिर को पकड़ लिया गया। इसी बीच जाबिता खां ने मराठों से षड्यंत्र किया। उसने उन्हें एक बड़ी रकम देने की पेशकश की और अपने अधिकारों को बहाल करने के लिए याचना की। पैसे मिलने के बाद मराठों ने दिल्ली प्रस्थान किया। मराठों ने बादशाह की सेना के साथ दिल्ली पर अधिकार कर लिया। जाबिता खां को उसके अधिकार वापस कर दिए गए और सहारनपुर क्षेत्र के साथ अमीर उल उमरा में भी सम्मानजनक स्थान दिया गया।

जाबिता खां कुछ समय गौसगढ, शुक्रताल और पत्थरगढ़ के किले में रहा और गुर्जरों और पुंडीरों से अपना क्षेत्र पुनः प्राप्त किया जो कठिनाई के दौर में उसके हाथ से निकल गया था। उसने एक बार पुनः स्वतंत्र होने का प्रयास किया। उसके खिलाफ कासिम खां को भेजा गया। कासिम खां मारा गया। अपनी सफलता से उत्साहित जाबिता खां ने कुछ सिखों को अपनी सेवा में शामिल किया और दिल्ली को घेरने की योजना बनाई। मिर्जा नजफ खां के अधीन शाही सेना जाट प्रदेश में लगी हुई थी। बादशाह ने उन्हें वापस बुलाया और विद्रोही जाबिता खां के खिलाफ संगठित किया। उसने कूटनीति का प्रयोग करते हुए एक दूत मण्डल भेजा जिसमें राजा दयाराम, हिम्मत बहादुर और अवध के दूत लताफत खां शामिल थे। कोई विशेष परिणाम नहीं निकला। बादशाह ने जाबिता खां को माफ कर दिया कर उसे उसकी जागीर में पक्का कर दिया। मिर्जा नजफ खां (मुगल सेनापति) ने जाबिता खां की बहन एवं उसके सरदार नजफ कुली खान ने जाबिता खां की पुत्री से विवाह कर लिया। सहारनपुर में जाबिता खां जो उपेक्षित हो चुका था उसकी 1785 ई में मृत्यु हो गई। उसका बड़ा पुत्र गुलाम कादिर रुहेला जो सम्भवतः बादशाह ने युवावस्था में नपुंसक बनवा दिया था उसका उत्तराधिकारी बना। वह बहुत घमंडी, धूर्त और क्रूर प्रवृत्ति का युवा था जिसने अपना असली चरित्र अपने चाचा अफजल खां को उस भूमि से बेदखल करके दिखाया जो लंबे समय से उसके अधिकार में थी। उसने स्वतंत्रता के सभी चिन्हों को धारण कर स्वयं को नजीबुद्दौला होशियार जंग के नाम से के साथ ऊपरी दोआब का शासक घोषित किया। जमुना के पश्चिम में इन घटनाओं से सिंधिया प्रभावित हुआ और उसे उसके क्षेत्र में अपनी शक्ति मजबूत करने के अधिकार दे दिए गए। जयपुर के शासक ने इस्माइल बेग जो मौहम्मद बेग का भतीजा था उसकी सहायता से सिंधिया को पराजित कर आगरा की घेराबंदी कर ली। इसी समय राजा दयाराम ने मुगल अमीरों की कलह को और भड़का दिया किन्तु दिल्ली में सिंधिया के सहयोगी शाह निजामुद्दीन ने उसे हाथी से कुचलवा दिया। दिल्ली को घेराबंदी की स्थिति में रखा गया।

गुलाम कादिर रुहेला शक्तिशाली हो चुका था। उसने दिल्ली के लिए दोआब क्षेत्र से प्रस्थान किया और 1787 ई के अन्त तक दिल्ली को घेर लिया। मंसूर अली खां जो बादशाह का विश्वासपात्र एवं नाजिर था उसने पत्र भेजकर उसे प्रोत्साहित किया। उसने गुलाम कादिर से अमीर उल उमरा पद देने का आह्वान किया। शाह निजामुद्दीन और सिंधियों के एक दामाद देशमुख ने उसे रोकने का प्रयास किया। गुलाम कादिर की सेना पर हमला करने के लिए उन्होंने एक सैन्य टुकड़ी भेजी। उनकी सैन्य टुकड़ी का संहार कर गुलाम कादिर ने जमुना पार कर ली। उसे विश्वासघाती नाजिर बादशाह के महल में ले गया। फिर उसने अपनी नियुक्ति की मांग की जिसे मानने के लिए बादशाह विवश था। इस समय जो बादशाह का कोई वास्तविक हमदर्द था तो वह एकमात्र बेगम समरू थी। गुलाम कादिर ने अपने कार्यालय पर अधिकार प्राप्त कर बेगम समरू से बातचीत करनी आरंभ की जो सतलज क्षेत्र की ओर के सिखों के विरुद्ध संघर्ष कर रही थी। उसने बेगम को उसकी जागीर में वृद्धि और प्रशासन में भागीदारी का लोभ दिया। बेगम गुलाम कादिर की चालों और चरित्र से अच्छी तरह परिचित थी। उसने प्रस्ताव ठुकरा दिया और अपनी सेना सहित दिल्ली की ओर आगे बढ़ी। उसने बादशाह का पक्ष लेते हुए विद्रोहियों को भयभीत कर यमुना से पार भगा दिया। गुलाम कादिर ने बेगम और उसके सैनिकों को बर्खास्त करने की मांग की और यह न होने पर महल में आग लगा दी। झड़पें जारी रही और नजफ कुली खां ने बादशाह की ओर से विद्रोहियों पर प्रहार किया। गुलाम कादिर दोआब से नीचे की ओर अलीगढ़ पहुंचा और यहां कब्जा कर लिया। उसने इस्माइल बेग के साथ अपनी सेना को संयुक्त कर मराठा सेनापति राणा खां को पराजित किया। मंसूर अली खां गुलाम कादिर का वफादार था। उसने सूचना दी कि शहजादा जवान बख्त एक बड़ी शक्ति के साथ चल चुके हैं।

वह अभी भी सशक्त समझौता कर ले। गुलाम ने दोआब क्षेत्र में अभी कब्जा की हुई भूमि को बहाल करने की मांग की। उसकी मांग स्वीकार कर ली गई और वह सहारनपुर लौट गया। सिंधिया और जयपुर के राजा को इस्माइल बेग ने उलझा कर सिंधिया को कमजोर कर दिया था। सिंधिया के पास मराठों के अतिरिक्त भरोसा करने को और कोई नहीं था। वह ग्वालियर चले गए। यही वह कारण थे जो 1787 ईङ्क में मराठों की निष्क्रियता के कारण बने। 1788 ईङ्क में बादशाह ने भी राजधानी के निकट के प्रदेशों में अपनी शक्ति बढ़ा ली। नजफ कुली खां ने गोकुलगढ़ के किले में अपने को मजबूत कर लिया। गोसाईं राजा और हिम्मत बहादुर ने बाद शाह की ओर से नजफ कुली खां के विरुद्ध कार्यवाही की। नजफ कुली खां को अपने जासूसों से उसकी स्थिति का ज्ञान हुआ। उसने रात में हमला कर कत्लेआम मचा दिया। उसने शाही शिविर पर हमला कर दिया। शाह आलम और उसका परिवार खतरे में आ गया। सरधना की सेना जॉर्ज थॉमस और बेगम समरू के साथ चौकन्ने हो गए। बेगम की सूझबूझ और बहादुरी से बादशाह का पलडा भारी हो गया और नजफ कुली खां ने हथियार डाल दिए। बादशाह ने बेगम को जेबुन्निसा (सम्राट की बेटी) के खिताब से सम्मानित किया। सिंधिया पुनः दोआब में प्रवेश कर चुका था। उसने इस्माइल बेग के घेरे से आगरा किले को मुक्त कराने को राणा खां को भेजा। इस्माइल बेग गुलाम कादिर की मदद के अभाव में हार गया। बाद में दोनों की संयुक्त सेना ने सिंधिया को दोआब से खदेड़ दिया और दिल्ली पर लूट के इरादे से चढ़ाई की। हिम्मत बहादुर और अन्य अमीरों ने बादशाह को उसके हाल पर छोड़ दिया। गुलाम कादिर और इस्माइल बेग ने महल पर कब्जा कर लिया और बादशाह को अपनी गिरफ्त में ले लिया और अपनी सभी अनुचित मांगे स्वीकार कराईं। बादशाह से खजाना मांगा गया और जब बताया गया कि खजाना खाली है तो बादशाह का अपमान किया गया। हरम की महिलाओं से लूट और बलात्कार किया गया। फिर भी गुलाम कादिर का अत्याचार समाप्त नहीं हुआ उसने बादशाह

अनंत कुमार त्यागी
शोध छात्र
कुमाऊं यूनिवर्सिटी नैनीताल
(उत्तराखंड)

न्यायालय परिसर की सुरक्षा व आपातकालीन स्थिति में बचाव हेतु किया गया मॉक ड्रिल

अमरोहा (सब का सपना):- न्यायालय परिसर की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश से पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में न्यायालय परिसर में ए.एस. चेक टीम, डॉग स्कवॉड, स्वॉट टीम,अग्निशमन टीम द्वारा संदिग्ध वाहन व्यक्तियों/वाहनों/वस्तुओं की सघन चैकिंग कराई गई । न्यायालय परिसर में आवागमन करने वाले व्यक्तियों से आने-जाने का कारण, पूछताछ एवं तलाशी ली गयी। न्यायालय परिसर में लगे मेटल डिटेक्टर, स्कैनर मशीन, सीसीटीवी कंट्रोल रूम आदि सुरक्षा उपकरणों का निरीक्षण किया गया। परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे, DFMD, HHMD व हैण्ड सेट की उपलब्धता व क्रियाशीलता को चेक किया गया। आपातकालीन स्थिति में बचाव हेतु मॉक ड्रिल किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी न्यायलय सुरक्षा संजीव बालियान, अग्निशमन दल प्रभारी रजा हुसैन मय टीम,ए0एस0चैक टीम प्रभारी शौभित शर्मा मय टीम , स्वान दल टीम प्रभारी पंकज तोमर मय टीम मय स्वान, स्वाट टीम प्रभारी विश्वास तोमर मय टीम आदि पुलिसकर्मी उपस्थित रहे ।

विजय पारछा बने राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री, चाहने वालों में दौड़ी हर्ष की लहर

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- वाल्मीकि समाज ने राष्ट्रीय दलित पिछड़ा वर्ग भारत संगठन में विजय पारछा को राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री बनाए जाने पर उनका स्वागत किया गया ।राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री विजय पारछा ने आश्वासन दिया कि मैं अपनी ईमानदारी से पूरी समाज की सेवा करता रहूंगा। समाज के सभी लोगों ने बधाई देते हुए उनका स्वागत किया। और एक दूसरे को गले लगा कर खुशी व्यक्त की। विजय पारछा काफी लंबे समय से राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन व आर.टी.आई संगठन से तन मन धन से जुड़े हैं, वह पश्चिम बंगाल से लेकर उत्तरप्रदेश तक एक मिसाल हैं। वह दिन रात लोगों की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। और हर वर्ग के लोगों के साथ उनके सुख दुख में खड़े हुए दिखाई देते हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर उत्तर प्रदेश तक यह अपने सराहनीय कामों की वजह से जाने जाते हैं। इसलिए हसनपुर में वाल्मीकि समाज में विजयपथ के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री बनने पर हार्दिक व भव्य स्वागत किया। इस खुशी के अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय पाल, सभासद पति पप्पू , राकेश कुमार, कमल राय, सुभाष चंद्र, रामनिवास, सुंदर, राहुल पारछा, विकास, अनुज, सनम पाल, रिंकू, संजय, शेरू,सागर, और बहुत से बाल्मिक समाज के लोग मौजूद रहे।

बिजली के तारों में लगी भीषण आग, लगभग 5 घंटे तक बाधित रही बिजली सप्लाई

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार देर रात 9 बजे, बिजली के खम्बे में लगे बिजली के तारों में भीषण आग लगने से करीब 5 घंटे तक विद्युत आपूर्ति ठप रही। बता दें की मोहल्ला कायस्थान में पत्थर वाली मस्जिद के निकट बिजली के तारों में लगी आग से मोहल्ले वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली के तारों में भीषण आग लगने के कारण पटाखों के फुटने जैसी ध्वनि सुनाई दे रही थी। तार टूट कर नीचे गिर गए थे। तत्काल में मुजाहिद चौधरी एडवोकेट द्वारा हसनपुर विद्युत विभाग के अधिकारियों को फोन किया गया, और बताया गया कि तारों में भीषण आग लग रही है, अभी सप्लाई ना दें। अगर सप्लाई अभी देंगे तो बड़ा हादस होने कि संभावना है। बिजली विभाग द्वारा लाइट को तुरन्त ही शटडाउन करके तारों की मरम्मत करके तकरीबन रात 2:00 बजे तक विद्युत सप्लाई चालू कर दी गई, बिजली की सप्लाई को कड़ी मेहनत के बाद चालू करवाया गया।

जीवन में आगे बढ़ने में अनुशासन का महत्वपूर्ण योगदान: विनोद झा

जुबिलेंट में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 54 कर्मियों को दिए फाइव एस अवार्ड

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- अनुशासन ही वह सीढ़ी है जिस पर चढ़कर सफलता की जंग को आसानी से जीता जा सकता है। लापरवाही, ढिलाई और कोताही इन सबको दरकिनार कर कामयाबी के सफर पर चलें। मंजिल आपके कदम अवश्य चूमेगी। यह कहना है जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में साइड हेड विनोद झा का। उन्होंने कंपनी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 54 कर्मियों को फाइव एस अवार्ड से सम्मानित करते हुए उन्होंने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के टिप्स दिए। शुक्रवार की शाम जुबिलेंट के आफीसर्स क्लब में आयोजित फाइव एस अवार्ड (क्वार्टर-वन) का शुभारंभ मुख्य अतिथि साइट हेड विनोद झा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जुबिलेंट में सुरक्षा और अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यहां सुरक्षा मापदंडों पर सही से पालन किया और कराया जाता है। उन्होंने फाइव एस अवार्ड विनिंग कर्मियों में जोश का संचार करते हुए कहा कि इसी तरह मेहनत, लगन और टीम भावना से कार्य करते रहें। सफलता आपके कदन चूमेगी। कार्यक्रम के दौरान जुबिलेंट के विभिन्न विभागों में कार्यरत 54 कर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए फाइव एस अवार्ड प्रदान किए गए। इस मौके पर सेफ्टी विभाग से रबिंद्र झा, राहुल त्रिपाठी, फाइनेंस हेड विनय शुक्ला, पुनीत तिवारी, प्रोडक्शन हेड सुनील सिंह,निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, पराग गोयल, सुनील ए सिंह, रोबिंद्र कुमार, सतेंद्र सिंह, राम कुमार शर्मा, संदीप शर्मा, विकल सक्सेना आदि मौजूद रहे। संचालन अरुण चन्द, सोहेल राव एवं मनीष अग्रवाल ने किया।

पुलिस अधीक्षक प्रचलित वादों की समीक्षा कर दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा आरटीसी कैंपस डिडौली में शुक्रवार परेड के उपरान्त थाना हसनपुर, डिडौली, अमरोहा देहात, महिला परामर्श केन्द्र गजरौला के थाना प्रभारियों, पैरोकार/कोर्ट मोहर्रिर, मॉनिटरिंग सेल के साथ कानून व्यवस्था,NBW, ऑपरेशन क्लीन, ऑपरेशन त्रिनेत्र, ई-सम्मन पोर्टल एवं न्यायालय में प्रचलित वादों की समीक्षा की गयी। पुलिस अधीक्षक द्वारा वांछित, गैर जमानती वारण्टियों एवं इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी हेत निर्देशित किया गया। लम्बित एस0आर0 केस (हत्या, लूट, डैकती, बलात्कार, पॉक्सो एक्ट) के लम्बित अभियोगों एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी की समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया । ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत न्यायालय में चल रहे लम्बित वादों, गौवध व पॉक्सो आदि जघन्य वादों की समीक्षा कर प्रकरण में प्रभावी पैरवी कर अभियुक्तों को शीघ्र सजा दिलाये जाने हेतु निर्देशित किया गया ।

गजरौला में दबंगों के हौसले बुलंद, पुलिस का नहीं रहा कोई खौफ

चौपला चौकी के सामने के सामने दबंगों के दो गुटों में जमकर चले लात घूंसे

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली के चौपला चौकी के सामने दबंग के दो गुटों किसी बात को लेकर जमकर लात घुसे चल गए। जिससे वहां आसपास में अपराध अफ्रीका माहौल बन गया। जिसका वीडियो बनकर किसी ने सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। हैरानी की बात यह है कि इन दबंगों को पुलिस का भी कोई खौफ नहीं है जबकि घटनास्थल के सामने पुलिस चौकी बनी हुई है। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली स्थित चौपला पुलिस चौकी के सामने का है जहां दबंग के दो गुटों में जमकर लात घुसे चल गए प्राप्त जानकारी अनुसार दबंग युवक सिहाली जागीर के बताए गये हैं। दबंगों ने मोहल्ला सुल्तान नगर के रहने वाले ई रिक्शा चालक को चौपला पुलिस चौकी के ठीक सामने लात घुसो से पीटना शुरू कर दिया। मारपीट की घटना से मौके पर अफरा तफरी मच गई, वहां मौजूद युवक ने इस घटनाक्रम को अपने मोबाइल में कैद कर लिया और उस वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और कई युवकों को हिरासत में लेने की बात कही है। यह घटनाक्रम शुक्रवार शाम करीब 4:00 बजे के आसपास का बतायी जा रही है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है किस तरह से दबंग युवक एक युवक को लात घुसो से पीटते हुए नजर आ रहे हैं। देखने वाली बात तो यह है की चौकी की ठीक सामने 3 मिनट तक मारपीट की घटना होती रही तड़प तड़प लात घुसे चलते रहे लेकिन पुलिस ने इस और आकर नहीं देखा, मौके पर जाम की स्थिति बनी तो पुलिस की नींद टूटी तब जाकर कुछ युवकों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा आरटीसी कैंपस में ली गई परेड की सलामी

पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण कर संबंधित को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा आरटीसी कैंपस डिडौली, अमरोहा में शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाई गयी एवं अन्य दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान यूपी 112 पीआरवी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पीआरवी में मौजूद दंगा नियंत्रण उपकरणों, फर्स्ट ऐड किट और अन्य उपकरणों की नियमित सफाई और देखरेख के बारे में दिशा-निर्देश दिए। साथ ही पीआरवी वाहनों पर तैनात पुलिसकर्मियों से उनके उपकरणों और संचालन के बारे में भी पूछताछ की। पुलिसकर्मियों से शस्त्र हैंडलिंग का अभ्यास कराया गया तथा फील्ड यूनिट टीम द्वारा घटनास्थल के निरीक्षण के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी । उसके बाद आरटीसी कैंपस डिडौली, अमरोहा का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के उपरांत आरटीसी कैंपस डिडौली, अमरोहा परिसर में स्थित विविध सुविधाओं जैसे–भोजनालय, जिमनेजियम, रीडिंग रूम (लाइब्रेरी), कैंटीन, मनोरंजन कक्ष, जिम, आरटीसी कार्यालय, कैश शाखा, सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष एवं अन्य प्रशासनिक इकाइयों का क्रमबद्ध निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परिसर की स्वच्छता, साफ-सफाई, व्यवस्थाओं की स्थिति एवं प्रशिक्षण व्यवस्था का मूल्यांकन कर संबंधित प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। पुलिस अधीक्षक ने यह भी सुनिश्चित करने पर बल दिया कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों को एक अनुशासित, सुविधाजनक एवं प्रेरणादायक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर अधिकारियों व कर्मचारियों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, शारीरिक दक्षता एवं मानसिक सजगता के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि समस्त व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, जिससे प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा पुलिस बल की दक्षता में निरंतर वृद्धि हो।

महिला कल्याण विभाग द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम का हुआ समापन

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले के वैष्णो कन्या इंटर कॉलेज ब्लॉक नौगांव सादात मखदुमपुर में महिला कल्याण विभाग द्वारा गत 10 दिवसीय जागरूकता क्रम के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन ह्लगर्ल्स/वूमेन एक्सेलिंग इन एसटीईएमह्व विषय पर छात्राओं को जागरूक किया गया। इसमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला गया। यह बताया गया कि शिक्षा के माध्यम से महिलाएं नवाचार को बढ़ावा देती हैं तथा लैंगिक समानता स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही छात्राओं को प्रेरित किया गया कि वे विज्ञान और शोध के क्षेत्र में भी अपना भविष्य संवार सकती हैं। जेंडर विशेषज्ञ ललित रानी ने कहा कि विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ रही है और बालिकाओं को इस दिशा में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सेंटर मैनेजर ममता दुबे ने अपने विचार रखते हुए कहा कि एसटीईएम शिक्षा से बालिकाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं और समाज में नई दिशा दे सकती हैं। वहीं, मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता करुणा निधि ने कहा कि विज्ञान और नवाचार में महिलाओं की भूमिका से देश को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान चरणजीत सिंह, सहित विद्यालय की सभी छात्राएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ, जहां बालिकाओं ने एसटीईएम शिक्षा से जुड़कर भविष्य निर्माण का संकल्प लिया।

सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन हसनपुर, चुनाव 2025 (परिणाम घोषित)

अध्यक्ष पद पर नंदराम सिंह एवं महासचिव पद पर अंशु त्यागी विजयी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन का चुनाव शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप में सम्पन्न हुआ। वरिष्ठ अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष एवं चुनाव अधिकारी अरविंद कुमार गुप्ता, एडवोकेट ने बताया कि चुनाव में कुल 110 मतदाताओं में से 109 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया तथा 1 मत पत्र निरस्त किया गया। उन्होंने बताया कि चुनाव मे अध्यक्ष पद पर 70 मत पाकर श नंदराम सिंह (एडवोकेट) विजय हुए और उन्होंने सुनील कुमार एडवोकेट को बड़े अंतर से पराजित किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर 57 मत पाकर प्रमोद कुमार शर्मा (एडवोकेट), महासचिव पद पर 61 मत पाकर अंशु त्यागी (एडवोकेट), कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर पंकज कुमार (एडवोकेट) निर्विरोध, कोषाध्यक्ष पद पर 38 मत पाकर सतवीर सिंह (एडवोकेट) तथा उप सचिव प्रशासन पद पर नाज़िर खान (एडवोकेट) निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव प्रक्रिया के दौरान चुनाव अधिकारी अरविंद कुमार गुप्ता, एडवोकेट के साथ सहायक चुनाव अधिकारी भूदेव सिंह राणा, एडवोकेट उपस्थित रहे। चुनाव पूरी तरह से शांतिपूर्ण व निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुआ और सभी पक्षों ने मतदान प्रक्रिया को स्वीकृति दी।

डिजिटल इंडिया पर सेमिनार का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- नायाब अब्बासी डिग्री कालेज में डिजिटल इंडिया पर सेमिनार का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या डा.लुबना हामिद ने की। सेमिनार में बोलते हुए शिक्षा विभागाध्यक्ष डा.नसीम अहमद ने कहा कि आज भारत में पेपरलेस व्यवस्था से सभी क्षेत्रों में विकास हुआ है जिस से व्यापार को भी अच्छी आयाम मिले हैं।चीफ प्रॉक्टर डा.महताब अमरोहवी ने कहा कि डिजिटल प्रयोग से जहाँ सुरक्षा में वृद्धि हुई है तो दूसरी ओर आम जन का विश्वास बढ़ा है इस से समय और श्रम की भी बचत हुई है, उन्हों ने उपस्थित छात्र छात्राओं से आह्वान किया कि भारत सरकार की अपील के अनुसार अधिक से अधिक डिजिटल सेवाओं का लाभ उठायें ताकि भारत को विकसित भारत बनाने में सफलता मिले और हम विश्व पटल पर स्वम को पूर्ण रूप से स्थापित कर सकें।वाणिज्य विभागाध्यक्ष डा.एम अथर कमाल ने कहाकि देश आज आर्थिक रूप से मजबूती की ओर अग्रसर है और शीघ्र ही विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर हैं ,जो बहुत बड़ी उपलब्धि हैं परन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार प्रसार की आवश्यकता है जिस से अधिक से अधिक लोग डिजिटल व्यवस्थाओं से जुड़ सकें इस के लिए हमें शिक्षा के प्रसार पर जोर देने की आवश्यकता है डा.तश्कील हैदर डा. मुबारक अली ,डा. सरिता चौधरी और रूमाना आबिदी ने अपने अपने सम्बोधन में कहा कि डिजिटल अभियान और अधिक सक्रिय बनाने के लिए महिलाओं की भागीदारी की भी आवश्यकता है ताकि अभियान घर घर पहुंच सके।अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्या डा. लुबना हामिद ने कहा कि डिजिटल जागरूकता समय की जरूरत है जिस के लिए सभी को सामूहिक प्रयास जरुरी हैं यह व्यवस्था देश को विकासशील देशों की श्रेणी में ले जाने वाला कदम है हम सभी को इस दिशा में सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। इस अवसर पर डा. निकहत नकवी,डा. रूचि अग्रवाल,अर्चना शर्मा,डा.फराह सिद्दीक , उज्मा सैफी,मोहम्मद अजीम, दुदार्ना अकरम फारूकी, अम्बर सुल्ताना,अरमान सिद्दीकी, जुनैद आलम पम्मी, शिवानी सागर समेत सभी विभागों के प्रवक्ता गान और छात्र छात्राएं उपस्थि रहे ।जिन्होंने संकल्प लिया कि वह डिजिटल इण्डिया के सपने को साकर करेंगीं।

विद्यार्थियों की भागीदारी से सजेगा विकसित भारत @ 2047 का खाका

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश सरकार के समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश/@2047 संकल्प से समृद्धि की ओर के अर्न्तगत संकल्प कार्यशाला एवं छात्रों-प्रबुद्धजनों के साथ संवाद कार्यक्रम वेंकेटेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद के नोडल अधिकारी आवास आयुक्त बलकार सिंह नें दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यशाला में जनपद अमरोहा के विभिन्न विद्यालयों गुरूकुल कन्या विद्यालय, आई0टी0आई0 विभाग, पॉलिटेक्निक, ए0एस0एम0 मॉडर्न एकेडमी, राजकीय पॉलीटेक्निक बछरायुं से आए छात्र-छात्राओं ने अपने सुझाव व्यक्त किये उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि हमें जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर बनना चाहिए तभी हम प्रदेश को विकसित प्रदेश बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि टेक्निकल एजुकेशन को बढ़ावा दिया जाए और गवर्नमेंट कॉलेज में आधुनिक सुविधाएं प्राप्त हो जैसे लैब, कंप्यूटर लैब आदि का विकास किया जाए। छात्रों द्वारा कहा गया कि हमें शिक्षा को थ्योरी से ज्यादा प्रैक्टिकल नॉलेज पर फोकस करना चाहिए। कन्या गुरुकुल चोटीपुरा की छात्राओं द्वारा बताए गए कि हमें विकसित उत्तर प्रदेश को बनाने के लिए भारतीय संस्कृति और संस्कृत से जुड़े रहकर विकास करना चाहिए, शिक्षा के क्षेत्र में सूद्धि को बढ़ावा देने के लिये सुरक्षा भी सबसे महत्वपूर्ण है और स्किल्स को मानव पूंजी में परिवर्तित करके स्वरोजगार को बढ़ावा देना आवश्यक है। तकनीकी शिक्षा ए0आई0, रोबोटिक्स, डेटा साईंस को बढ़ावा देना चाहिये छात्रों ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश के लिए छात्र और अध्यापकों को मेंटली फिट रहना चाहिए। ए0एस0एम0 मॉडर्न एकेडमी के छात्र-छात्राओं द्वारा कहा कि शिक्षा में आधुनिक तकनीकों का समावेश हो ताकि विद्यार्थी स्वयं का स्टार्टअपर कर सके और शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिये शिक्षकों को ट्रेनिंग आवश्यक है इसी के साथ शिक्षा में नैतिक शिक्षा व नैतिक मूल्यों का पाठ्यक्रम में समावेश हो। आई0टी0आई0 विभाग द्वारा बताया गया कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग को बढ़ावा देना तथा औद्योगिक भ्रमण का समावेश हो।

मुख्य अतिथि एवं नोडल अधिकारी आवास आयुक्त डॉ0 बलकार सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व विभागीय अधिकारियों की सहभागिता से ऐसा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करना है जो उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक ह्रविकसित प्रदेशह्र बनाने के मुख्यमंत्री के संकल्प को साकार करने की ठोस दिशा प्रदान करे। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा दिए गए सुझावों को संकलित कर शासन को भेजा जाएगा। दिये गये सुझाव से सुझाव की समीक्षा कर नीतियों का निर्माण होगा, विकसित उत्तर प्रदेश 2047 का रोडमैप तैयार होगा। उन्होने कहा कि प्रबुद्धजनों द्वारा बताया गया कि विद्यालय में उपस्थिति कम होना एक चिंतनीय विषय है। उन्होंने कहा यदि हमें शिक्षा प्राप्त करनी है तो नियमित विद्यालय जाएं और ध्यान से मन लगाकर पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए जो संकल्प लिया गया है उसको पूर्ण करने के लिए मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद के विभिन्न विभागों के माध्यम से कार्य योजना बनाई जा रही है और सुझाव प्राप्त किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा शिक्षा का स्तर बढ़े इसलिए स्टार्टअप और जो भी रिक्वायरमेंट है उनके साथ आगे बढ़े तभी हमारा देश और प्रदेश विकसित हो सकेगा।

जिलाधिकारी ने कहा विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित अमरोह का उद्देश्य बच्चे ही पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे अपने मन से चिंतन अवश्य करें कि आप विद्यालय में मन से कितने पढ़ रहे हैं। विकसित होने के लिए युवाओं को मन से कार्य करना होगा चाहे वह खेल हो यह किसी भी फील्ड में उसे पूर्ण मनोयोग से करें तभी सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकास करने के लिए स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें चिंतन करें एवं आगे बढ़े। उन्होंने सोचो, समझो और करो जो रिसोर्सेस मिल रहे हैं उनको लेकर आगे बढ़े मेहनत करें और सही मार्ग पर आगे चले। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि यह संवाद कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के विकास के साथ आने वाली पढ़ाई के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। आपके द्वारा दिए गए सुझाव उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित बनाने के लिए बनने वाले विजन डॉक्यूमेंट का हिस्सा बनेंगे।

आचार्य सुमेधा ने कहा कि विकास करने के लिए सर्वप्रथम अपनी संस्कृति को आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा एक विजन तैयार किया गया है जिसको हम बिना संस्कृति और संस्कृति के आगे नहीं ले जा सकते इसलिए मन से परिश्रम करें देश में सब कुछ धरातल पर उतरने की जरूरत है मूल्यांकन में सुधार होना चाहिए। प्रबुद्धजन आचार्य चौ०चरण सिंह वि०वि० मेरठ प्रो० मृदुल कुमार गुप्ता ने कहा कि सरकार के साथ-साथ हम सब की स्वयं की जिम्मेदारी हो सर्वप्रथम स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें और इसी के साथ स्वास्थ्य के लिए कार्य करें। अच्छे विचार नैतिकता के साथ आगे बढ़े। प्रबुद्धजन सेवानिवृत्त विशेष महानिदेशक रणजीत सिंह ने कहा कि बच्चों के सुझाव के आधार पर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इंडस्ट्री बेस इंटर्नशिप एक अच्छी पहल होगी। उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़े जिससे आपकी पढ़ाई और स्वास्थ्य अच्छा होगा। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टिगत सभी स्कूलों में मॉक ड्रिल की भी बात कही।

मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी से अपील करते हुए कहा कि आप स्वयं भी सुझाव दें और अन्यों से भी सुझाव देने के लिए कहें। उन्होंने कहा कि जब हम सब मिलकर चर्चा करेंगे और सुझाव देंगे तो उससे बेहतर परिणाम प्राप्त होगा और मुख्यमंत्री के 2047 तक उत्तर प्रदेश को विकसित बनाने का संकल्प पूरा होगा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 मोनिका सिंह आदि सहित सम्बन्धित अधिकारी, विद्यालयों के प्रधानाचार्य और छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन कर दवाइयां और चश्मे किए गए वितरित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रमपुरा में वैश्य समाज उत्तर प्रदेश के बहजोई मंडल ने एक निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया। डॉ. तनुज गोयल के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में गांव के महिलाओं व पुरुषों की आंखों की जांच की गई तथा उन्हें निशुल्क दवाइयां और चश्मे वितरित किए गए। शिविर में लगभग 80 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई, जिससे ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला। वैश्य समाज के पदाधिकारियों ने इस अवसर पर सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए ग्रामीण स्वास्थ्य को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। शिविर में वैश्य समाज उत्तर प्रदेश के प्रमुख पदाधिकारी नरेंद्र कुमार (एनके) समाजसेवी, जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुमार, नवीन कुमार बाबा, मनीष कुमार, रूपक कुमार, रोहित, संजय दरोगा, डॉ. यश गोयल तथा डॉ. फिजा खान सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। वैश्य समाज के सदस्यों ने बताया कि यह शिविर समाज की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने का प्रयास है। ऐसे कार्यक्रमों से न केवल आंखों संबंधी समस्याओं का समय पर निदान संभव होता है, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को भी राहत मिलती है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसे और शिविर आयोजित करने की मांग की। वैश्य समाज उत्तर प्रदेश बहजोई मंडल की यह पहल सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक मिसाल कायम करती है, जो ग्रामीण स्वास्थ्य सुधार की दिशा में सकारात्मक कदम है।

2047 के विजन डॉक्यूमेंट निर्माण के लिए प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- एसएम कॉलेज चंदौसी में विकसित उत्तर प्रदेश समर्थ उत्तर प्रदेश@ 2047 के विजन डॉक्यूमेंट निर्माण के लिए जनपद संभल के उच्च शिक्षण संस्थान के प्राध्यानपकों एवं छात्रों के साथ प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ सेवानिवृत्त प्रो. महात्मा ज्योतिबा फूले रुहेलखंड विश्वविद्यालय शिव कुमार तोमर, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, डॉ हेमंत कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विकास अधिकारी राम आशीष ने समर्थ उत्तर प्रदेश एवं विकसित उत्तर प्रदेश @ 2047 की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला और कहा की 2047 में भारत स्वतंत्रता की 100 वीं वर्षगांठ मनाएगा। इसको ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित करने की संकल्पना रखी है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश @ 2047 की संकल्पना रखी है। इस संकल्पना को मूर्त रूप देने एवं जन सहभागिता के माध्यम से विजन डॉक्यूमेंट @20 47 को तैयार करने के लिए यह प्रबुद्ध जन शिक्षक- छात्र संवाद का कार्यक्रम रखा गया है। विजन डॉक्यूमेंट बनाने में 12 सेक्टर एवं कई सब सेक्टर बनाए गए हैं। इससे संबंधित सुझाव समर्थ उत्तर प्रदेश के पोर्टल पर छात्र एवं प्राध्यापक रख सकेंगे। इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय हयात नगर संभल के प्राचार्य प्रोफेसर राष्ट्र वर्धन ने पर्यावरण, शिक्षा एवं संस्कार की बात की। इन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से मानव समाज की सुरक्षा के लिए पर्यावरण संरक्षण की जरूरत है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त प्रोफेसर शिवकुमार तोमर ने शिक्षकों एवं छात्रों से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का सबसे बड़ा दुश्मन आलस्य है और उसके व्यक्तित्व के विकास को रोकता है ' आलस्य त्यागने एवं मीठी वाणी बोलने मात्र से जीवन में बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान परमाणु हमले के बावजूद भी आम नागरिकों के प्रण एवं परिश्रम से जापान विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़ा हुआ। इसलिए उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित बनाने के लिए सशक्त जन भागीदारी की आवश्यकता है। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार ने विगत आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की जीडीपी एवं प्रति व्यक्ति आय में हुई सकारात्मक वृद्धि की जानकारी दी। इस संवाद कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर एस बी एल श्रीवास्तव एवं प्रोफेसर एके शर्मा ने विकसित उत्तर प्रदेश बनाने के सुझाव दिए. कार्यक्रम में एमजीएम कॉलेज संभल, एन के बी एम जी कॉलेज चंदौसी, विवेकानंद लॉ कॉलेज मझौली, राजकीय डिग्री कॉलेज हयात नगर एवं गुन्नौर आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक चंदौसी , रोटरी इंस्टिट्यूट चंदौसी मॉडल पब्लिक कॉलेज चंदौसी सादात डिग्री कॉलेज सिरसी के साथ जिला के कई संस्थान के छात्र एवं अध्यापकों ने भाग लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ हेमंत कुमार कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर (डॉ.) जितेंद्र कुमार, अमरजीत मौर्य, डॉ. महेंद्र कुमार वर्मा, डॉ. स्कंद, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. विशेष कुमार पांडे, डॉ. ज्योति, डॉ. पूजा अग्रवाल उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरभि यादव ने किया।

ग्राम पंचायत बीलना में हुआ रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्य

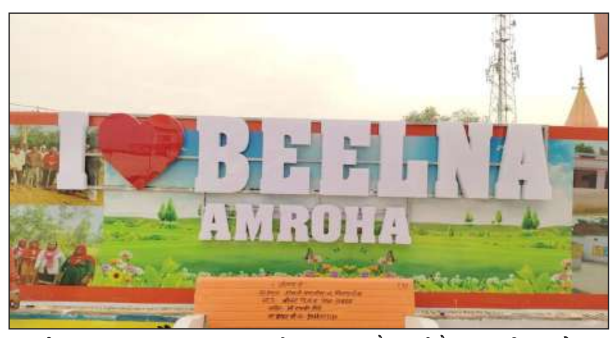

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकासखंड अमरोहा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बीलना ने हाल ही में विकास के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यहां ग्राम पंचायत सचिव रामवीर सिंह और ग्राम प्रधान तसलीमा खातून के नेतृत्व में विकास कार्य पूरे हो चुके हैं, जो क्षेत्रीय स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धि मानी जा रही है। इन प्रयासों से गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है, और ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई है। ग्राम बीलना में 38 नई सड़कें बनीं, स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव को खुले में शौच मुक्त घोषित कराया गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत में प्राथमिक विद्यालय ओर जूनियर स्कूल ओर आंगनवाड़ी केंद्र का सौंदर्य करण कराया है। जिसमें डिजिटल क्लासरूम की सुविधा उपलब्ध है। और साथ ही एक नक्षत्रशाला भी बनाई गई है जिससे कि बच्चों को वैज्ञानिक रूप से भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा सके। इसी के साथ ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य के क्षेत्र में दो अस्पताल बनाए गए हैं। जिससे कि ग्राम पंचायत के लोगों को बेहतर उपचार माहिया कराया जा सके। भविष्य की कार्य योजना में बारात घर और पार्क खेल का मैदान शामिल किया गया है। इसी के साथ रोड पर स्थित काफी लंबे समय से गंदगी में तब्दील हो रहे हैं एक तालाब का सौंदर्य करण किया गया। और इसी के साथ ग्राम प्रधान और सचिन केके प्रयासों से इस तालाब को सेल्फी प्वाइंट के रूप में बनाया गया। और यह है सेल्फी प्वाइंट स्थान ग्रामीणों के लिए एक बैठने के लिए बेहतर पार्क बन चुका है। कुल मिलाकर, बीलना पंचायत ने साबित कर दिया कि मजबूत नेतृत्व और सामुदायिक सहयोग से ग्रामीण विकास संभव है। आने वाले समय में सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर काम शुरू होने से गांव आत्मनिर्भर बनेगा। यह सफलता अमरोहा जिले के लिए गौरव का विषय है।

एबीपी कार्यकताओं ने दिशा कालेज प्रशासन के खिलाफ किया प्रदर्शन

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- दिशा इंस्टीट्यूट में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं व छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि कॉलेज में विद्यार्थियों के साथ अभद्रता की जा रही है। एक छात्र को दो दिन पहले यूनिफॉर्म देने से मना कर दिया गया और उसके साथ में अभद्दता की गई। शुक्रवार को दिशा इंस्टीट्यूट के गेट पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं और कॉलेज के छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कालेज प्रशासन पर छात्रों को परेशान करने और कई आरोप लगाए। बीसीए प्रथम वर्ष के छात्र शब्द चौधरी और अभय प्रताप सिंह सार्थक आकाश मोहित वंश हर्षित अधिकारों की कॉलेज में छात्रों के साथ सही व्यवहार नहीं किया जाता है। शब्द चौधरी को उसकी ड्रेस देने से मना किया था। इससे पहले भी एक छात्र को कॉलेज में श्री राम के नारे लगाने पर कॉलेज से निकाल दिया था काफी देर तक छात्र कॉलेज में हंगामा करते रहे। इसके बाद कॉलेज रजिस्ट्रार राजीव कुमार से छात्रों के एक प्रतिनिधि मंडल ने वार्ता की। राजीव कुमार ने बताया कि छात्रों की मांगे सुनी गई है उनके जल्द निस्तारण करने का आश्वासन दिया गया है उन्होंने श्री राम के नारे लगाने को लेकर छात्रों के आरोपो को गलत बताया। उन्होंने कहा कि कॉलेज में अनुशासन बनाए रखना कॉलेज प्रशासन की जिम्मेदारी है इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विकसित उत्तर प्रदेश के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में हुई कार्यशाला आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- समर्थ उत्तर प्रदेश @ 2047 अभियान के तहत 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश विजन को साकार करने के लिए द्वितीय दिवस में मुख्य अतिथि एवं नोडल अधिकारी आवास आयुक्त डॉ0 बलकार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला में व्यवसायी, उद्यमियों, श्रमिक संगठनों, बैंकर्स व अन्य संगठनों के साथ विचार विमर्श किया गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उद्यमियों, व्यापारियों, श्रमिक संगठनों, बैंकर्स एवं अन्य संगठनों ने व्यावहारिक सुझाव देते हुए गंगा एक्सप्रेस वे पर वेयर हाउस बनाने, जिले स्तर पर ओडओपी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने, नए इंडस्ट्रियल एरिया स्थापित करने, इंडस्ट्रियल हब में फायर स्टेशन, बंद सूती मिल को दुबारा चालू करने, बिजली अंडर ग्राउंड करने, राज्य, जिला और ग्रामों के मार्गों का चौड़ीकरण, ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना, ऑटोमेटिक टेस्टिंग स्टेशन की स्थापना, सड़क सुरक्षा हेतु पाठ्यक्रम में सड़क सुरक्षा विषय जोड़े जाने की आवश्यकता सहित अन्य बिंदुओं पर विजन डॉक्यूमेंट के लिए अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किये। कार्यशाला में उद्योग विभाग, राज्य कर, परिवहन विभाग, श्रम विभाग आदि के अधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से जनपद की भौगोलिक स्थिति के साथ संबंधित क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियां, लक्ष्य और भविष्य के लिए कार्ययोजना प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि एवं नोडल अधिकारी आवास आयुक्त डॉ0 बलकार सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों, विशेषज्ञों व विभागीय अधिकारियों की सहभागिता से ऐसा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करना है जो उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक ह्रविकसित प्रदेशह्र बनाने के मुख्यमंत्री के संकल्प को साकार करने की ठोस दिशा प्रदान करे। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा दिए गए सुझावों को संकलित कर शासन को भेजा जाएगा। दिये गये सुझाव की समीक्षा कर नीतियों का निर्माण होगा, विकसित उत्तर प्रदेश 2047 का रोडमैप तैयार होगा। उन्होंने कहा कि कृषि आधारित जनपद होने के कारण यहां का इंडस्ट्री बेस अच्छा है। उन्होंने कहा कि जनपद अमरोहा की लोकेशन काफी अच्छी है यह हाईवे किनारे स्थित है और दिल्ली और एनसीआर के काफी नजदीक है। कुछ ही समय में जेवर एयरपोर्ट शुरू होने वाला है उन्होंने कहा कि अमरोहा के साथ पूरे प्रदेश में एक्सप्रेस वे बिछाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी किसान, उद्यमी और व्यापारी इसका फायदा उठाएं और अपने व्यवसाय और उद्यम को बढ़ाएं।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रत्येक क्षेत्र में काफी विकास हुआ है उत्तर प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर है। मुख्यमंत्री का 01 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का सपना पूरा होगा।उन्होंने कहा कि विकसित भारत में उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा योगदान होगा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अमरोहा जनपद के प्रमुख उद्योग और व्यवसायी जैसे तबला और ढोलक का निर्माण, रेडीमेड गारमेंट्स, टेक्सटाइल और हैंडीक्राफ्ट, आम का निर्यात के बारे में जानकारी देते हुए इनका जीडीपी में योगदान बताया। इसके साथ उन्होंने जनपद में हुए निवेश, प्रमुख निर्यात इकाईयों, औद्योगिक क्षेत्र के बारे में जानकारी देते हुए भविष्य की संभावनाओं और अवसर के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अमरोहा की दिल्ली-एनसीआर और अन्य बड़े बाजारों से निकटता है। जो बाजारों, रसद और आपूर्तिकताओं तक बेहतर पहुंच प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि जनपद और अन्य जगहों के लोग अमरोहा में निवेश कर रहे हैं और जिला प्रशासन उनको हरसंभव सहयोग प्रदान कर रहे हैं, और आने वाले समय में और अधिक निवेश होगा। सेवानिवृत्त विशेष महानिदेशक रणजीत सिंह ने कहा कि कोई भी उद्योग स्थापित करते समय पर्यावरण सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पानी को स्वच्छ रखना हमारी साझा जिम्मेदारी है। इसके लिए उन्होंने सभी से ग्राउंड वॉटर की गुणवत्ता बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने उद्यमियों से आग्रह किया कि वे जीरो वेस्ट मैनेजमेंट को अपनाएं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सुझाव दिया कि उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और संबंधित क्षेत्र में कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। शासन से नामित प्रबुद्धजन सह निदेशक (सह० प्राध्यापक) सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक वि०वि० डॉ० अरविन्द कुमार ने कहा कि विकसित भारत@2047 की अवधारणा को साकार करने हेतु इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट सुझावों को प्रबुद्धजनों द्वारा उत्तर प्रदेश शासन को प्रेषित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर शक्ति सिंह, उपायुक्त उद्योग, अर्थ एवं संख्याधिकारी पुनीत कुमार, जिला स्तरीय अधिकारीयो सहित संबंधित उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश@2047 अभियान के अन्तर्गत मीडिया के साथ संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश@2047 अभियान के अन्तर्गत मीडिया के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रोफेसर महात्मा ज्योतिबा फूले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली शिवकुमार तोमर रहे। कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि एवं जिलाधिकारी को एक पुष्प एवं एक पुस्तक देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला विकास अधिकारी राम आशीष द्वारा समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश @2047 के प्रमुख बिन्दुओं से प्रबुद्धजन एवं पत्रकार बंधुओं को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भारत 2047 में स्वतंत्रता की 100 वीं वर्षगांठ मनायेगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए 12 सेक्टर चिन्हित किये गये। कृषि एवं संबद्ध सेक्टर, पशुधन संरक्षण सेक्टर, औद्योगिक विकास सेक्टर, आईटी, पर्यटन, नगर एवं ग्राम्य विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वस्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं सुशासन सेक्टर पर कार्य किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि यह समृद्धि का शताब्दी वर्ष है। समर्थ, सशक्त एवं समृद्ध प्रदेश बनाने में मीडिया का महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि विकसित उत्तर @2047 के विजन डॉक्यूमेंट के लिए यह संवाद सुझाव परामर्श मीडिया के माध्यम से जाना चाहिए। हमारा मिशन है समग्र विकास जिसमें सभी लोगों को मूलभूत सुविधाएं प्राप्त होंगी। इसके अंतर्गत परम्परा और आधुनिकता का सामजस्य लेते हुए सांस्कृतिक पुनर्जागरण को भी स्थापित किया जाएगा। विकसित देश बनाने के लिए हर परिवार को काम करना होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान एक माह तक चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत 12 सेक्टर को चिन्हित किया गया है जिनपर कार्य किया जाएगा। इनके अतिरिक्त एक 13 वां सेक्टर पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए चिन्हित किया है जिसके 4 बिन्दुओं पर सुझाव प्राप्त किये गये हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि वही योजना सस्टेनेबल होती है जिसमें सभी लोगों के सुझाव होते हैं सब लोगों में भी वह सुझाव जो कॉमन सुझाव निकल कर आये। मीडिया के माध्यम से जन जन तक यह अभियान जाए। सभी लोग क्यूआर कोड को स्कैन कर अपना विचार या संकल्प साझा करें। जिलाधिकारी ने कहा कि जो सबसे ज्यादा सुझाव दिलायेगा उन में से 6 लोगों को पुरस्कृत किया जाएगा। जिनमें से जो प्रथम आएगा उसको ड्ट21हजार तथा द्वितीय को ड्ट11 हजार तथा तृतीय को ड्ट5 हजार का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा एवं अन्य तीन को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। जिलाधिकारी ने क, ख, ग, घ पद्धति के आधार पर शिक्षा तथा शिक्षा में अ, आ, इ, ई के महत्व को भी बताया। मुख्य अतिथि प्रबुद्धजन सेवानिवृत्त प्रोफेसर शिवकुमार तोमर ने मीडिया से संवाद करते हुए कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के लिए मीडिया को आगे आना होगा तथा जहाँ कहीं भी भ्रष्टाचार या कुछ गलत हो रहा हो उसको उजागर करना होगा ताकि शासन एवं प्रशासन उस पर कार्यवाही कर सकें। पत्रकारों की ताकत कलम है, पत्रकार अपनी ताकत को पहचानें। गांवों में जाकर अलख जलाएं। मीडिया से संवाद के अन्तर्गत पत्रकार बंधुओं से भी सुझाव प्राप्त किये गये जिनमें विनय शर्मा ने कहा कि साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग होनी चाहिए, मीडिया फीडबैक सेल का भी गठन होना चाहिए तथा अधिकारी द्वारा क्षेत्र भ्रमण में मीडिया को भी आमंत्रित किया जाना चाहिए। अंशुल गुप्ता ने कहा कि नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में साफ सफाई के लिए सहयोगी समिति बननी चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार एवं सत्येन्द्र कुमार सिंह एवं जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार एवं मीडिया से पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

डॉक्टर की गंदी करतूत: छाती में गांठ देखने के बहाने छात्रा को गलत तरीके से छुआ, इतने में ही नहीं रुका वो

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी स्थित सरकारी अस्पताल में बीटेक की 22 वर्षीय छात्रा ने अस्पताल के डॉक्टर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस ने शुरूआती जांच के बाद डॉ. इमरान के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पिछले कुछ दिनों से छात्रा अपनी छाती में गांठ महसूस कर रही थी। 9 सितंबर को वह अपनी मां के साथ दिखाने अस्पताल गई। ओपीडी में दिखाने के बाद उनको हड्डी विभाग में रेफर कर दिया गया। हड्डी विभाग में महिला डॉक्टर व दो पुरुष डॉक्टर मौजूद थे। महिला डॉक्टर छात्रा को पर्दे के पीछे ले जाकर देखा। छात्रा का परीक्षण करने के बाद डॉक्टर बाहर आ गईं। इस बीच वहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर इमरान पर्दे के अंदर पहुंच गया। छात्रा ने बिना इजाजत के पुरुष डॉक्टर के अंदर आने पर ऐतराज जताया। आरोपी डॉक्टर ने गांठ देखने के बहाने गलत तरीके से छात्रा को छूना शुरू कर दिया। छात्रा ने ऐतराज किया। बाद में आरोपी ने छात्रा से कहा कि वह बेसमेंट में जाकर एक एक्सरे करा ले। छात्रा बेसमेंट में पहुंची तो आरोपी वहां भी आ गया। आरोप है कि उसने छात्रा से इधर-उधर की उलटी बातें शुरू कर दी और उसे अपना मोबाइल नंबर देकर बातचीत करते रहने के लिए कहा। छात्रा लिफ्ट में पहुंची तो आरोपी वहां भी पहुंच गया। वह लिफ्ट को और नीचे ले जाने के लिए बटन दबाया तो छात्रा वहां से भागकर मां के पास पहुंची और सारी बात बताई। बाद में पुलिस को खबर दी गई। पुलिस ने छानबीन के बाद मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस बाकी डॉक्टरों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

छठे दिन भी किसान यूनियन प्रधान का धरना जारी, बिजली लाइन की मांग पर अड़े ग्रामीण

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नूरपुर क्षेत्र में किसानों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन (प्रधान) के नेतृत्व में ग्रामीणों का धरना शुक्रवार को छठे दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली आपूर्ति के नाम पर उनके साथ लगातार अन्याय हो रहा है। गांव पाड़ली मांडू के किसानों का आरोप है कि उनके गांव को बिजली आपूर्ति के लिए 25 किलोमीटर लंबी दूरी में लाइन द्वारा सप्लाई दी जा रही है। इस वजह से गांव में न सिर्फ वोल्टेज की समस्या बनी रहती है बल्कि आए दिन ट्रिपिंग और फाल्ट के कारण घंटों-घंटों तक बिजली गुल रहती है। जबकि, गांव से महज ढाई किलोमीटर की दूरी पर ही बिजलीघर मौजूद है। किसानों की मांग है कि उनके गांव को सीधे नजदीकी ढाई किलोमीटर दूर स्थित बिजलीघर से जोड़ा जाए। धरना स्थल पर किसानों ने शुक्रवार को भी जमकर नारेबाजी की और बिजली विभाग पर लापरवाही के आरोप लगाए। किसानों ने कहा कि वर्षों से इस समस्या को लेकर शिकायत की जा रही है लेकिन विभाग के अधिकारी कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। छठे दिन धरना स्थल पर पहुंचे चांदपुर के एसडीएम ने किसानों से बातचीत की। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि सोमवार तक इस मामले पर समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन किसानों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। किसान नेताओं का कहना है कि यदि समयसीमा के भीतर समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा और इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह प्रशासन की होगी

मखदुमपुर गांव में शौचालय पर ताला: ग्रामीणों का ग्राम प्रधान के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकास खंड अमरोहा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मखदुमपुर में पिछले दो महीनों से सामुदायिक शौचालय पर ताला लगा होने और पानी की आपूर्ति बाधित होने के कारण नाराज ग्रामीणों ने आज ग्राम प्रधान मधु चौधरी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत कार्यालय के बाहर नारेबाजी की। इसी के साथ ग्रामीणों ने शौचालय को तत्काल चालू करने की मांग उठाई है। यह घटना स्वच्छ भारत अभियान की हकीकत को उजागर करती है, जहां सरकारी योजनाओं का लाभ गांव स्तर पर सही ढंग से न पहुंचने से जनता में असंतोष बढ़ रहा है। मखदुमपुर ग्राम पंचायत शौचालय पर इकट्ठा होकर ग्रामीण लोगों ने प्रदर्शन शुरू किया। ग्रामीणों ने बताया, "हमारे गांव में स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने इस शौचालय पर दो महीने से ताला लगा है। पानी की आपूर्ति ठप पड़ी है, जिससे हमें खुले में शौच जाना पड़ रहा है। यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता रजत चौहान ने कहा, "यह केवल शौचालय की समस्या नहीं, बल्कि ग्राम पंचायत की लापरवाही का प्रतीक है। शौचालय का निर्माण स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत किया गया था, जिसमें लाखों रुपये खर्च हुए। लेकिन रखरखाव की कमी से यह बेकार पड़ा है। पानी की टंकी सूखी पड़ी है। और पानी की सप्लाई आपूर्ति बंद पड़ी है। इस दौरान ग्रामीण लोगों ने मांग की गई है कि ग्राम प्रधान के खिलाफ एक्शन लिया जाए और शौचालय को 48 घंटे में चालू किया जाए।" इस दौरान जब इस मामले में ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव सत्येंद्र सिंह से शौचालय पर लगे ताले ओर पानी की सप्लाई बंद को लेकर जानकारी ली। तो उन्होंने बताया है कि रोजाना शौचालय खोला जा रहा है। बंदरों की लापरवाही के चलते तारों में कमी हो सकती है जिस वजह से पानी की आपूर्ति बंद है। उनका कहना है कि ग्रामीण लोगों ने उन्हें किसी प्रकार की कोई सूचना नहीं दी।

जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने किया रोड का निरीक्षण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा जिला पंचायत कार्यालय को जाने वाली कनेटा रोड़ बहजोई का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बहजोई/ डिप्टी कलक्टर नीतू रानी को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व एवं तहसील से मानचित्र निकलवा

कर अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए आवश्यक कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें तथा रोड़ की साफ सफाई को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पुलिया को सही कराने के लिए भी दिशा निर्देशित किया इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बहजोई नीतू रानी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का दौरा, रावली बैराज तटबंध को बचाने के लिए दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में गंगा नदी पर बने रावली बैराज तटबंध के लगातार कटाव के खतरे के बीच शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बिजनौर का दौरा किया। मंत्री सीधे तटबंध पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया तटबंध को बचाने में जिला प्रशासन और स्थानीय ग्रामीणों की अहम भूमिका को सराहते हुए मंत्री ने जिलाधिकारी जसजीत कौर को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि डीएम ने जिस तत्परता और जिम्मेदारी से कार्य किया है, वह सराहनीय है सिर्फ प्रशासन ही नहीं, बल्कि आम ग्रामीणों के श्रमदान की भी मंत्री ने खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि तटबंध को बचाने में गांव वालों की मेहनत और लगन ने बड़ा योगदान दिया है। इस दौरान मंत्री ने सिंचाई एवं बाढ़ खंड विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि भविष्य में किसी भी तरह की लापरवाही न हो और तटबंध की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह से कटिबद्ध है कि किसी भी गांव को बाढ़ और कटाव की मार न झेलनी पड़े। स्थानीय लोगों की भीड़ मंत्री के दौरे के दौरान मौके पर मौजूद रही और उन्होंने अपनी समस्याएं भी उनके सामने रखीं। मंत्री ने आश्वासन दिया कि रावली बैराज तटबंध को मजबूत बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे और आगे किसी भी तरह की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड पवांसा के ग्राम पंचायत धनेटा सोतीपुरा में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा कम्पोजिट विद्यालय धनेटा सोतीपुरा का निरीक्षण किया सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा शैक्षणिक कार्य गुणवत्ता युक्त न मिलने पर संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि अध्यापक बच्चों को अच्छे से सिखाएं।शैक्षिणक कार्य नियमानुसार हो। ग्राम सचिव को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय की साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। विद्यालय की चहारदीवारी को सही कराया जाए तथा द्वार बनवाने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा विद्यालय के प्रांगण को समतल कराया जाना सुनिश्चित करें। विद्यालय में बच्चों के लिए बर्तन की पर्याप्त व्यवस्था भी रहे। जिलाधिकारी द्वारा मिड डे मील भी चेक किया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ग्राम चौपाल के अन्तर्गत विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य विभाग,आईसीडीएस विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा कैम्प एवं शासन की योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाए गये ताकि ग्रामीण लोग शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा भी दिव्यागों के लिए विशेष शिविर लगाया गया। ग्राम चौपाल के अन्तर्गत जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट का एक पुष्प एवं एक पुस्तक देकर स्वागत किया गया। समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया गया।पेंशन एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के विषय में ग्राम चौपाल में उपस्थित लोगों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी उन्होंने बताया कि शासन द्वारा पहले लाभार्थी को 51 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की जाती थी जिसको बढाकर अब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी को एक लाख रुपये की धनराशि दी जाती है। स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज विश्नोई द्वारा विभाग से संबंधित प्रमुख योजनाओं आयुष्मान गोल्डन कार्ड, टीकाकरण, एएनसी जांच आदि के विषय में ग्रामीणों को बताया। कृषि विभाग द्वारा कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं के विषय में जानकारी दी।कृषि यंत्रीकरण, सोलर पम्प, फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री, तथा एफपीओ के गठन तथा उसके लाभ के विषय में भी बताया। मुख्य विकास अधिकारी ने गांव को साफ स्वच्छ बनाने के लिए ग्राम वासियों को जागरूक किया तथा शासन की योजनाओं के विषय में भी जानकारी दी। जिलाधिकारी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने इसके लाभों के विषय में भी बताया। जिलाधिकारी ने पोषण पुनर्वास केन्द्र (एन आर सी) चंदौसी में सैम बच्चों के लिए की जा रही उचित देखभाल के विषय में बताया तथा लोगों को जागरूक करते हुए कहा की अगर कोई सैम बच्चा है तो उसको पोषण पुनर्वास केन्द्र चंदौसी भेजा जाए ताकि बच्चा उचित उपचार से स्वास्थ्य हो सके। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को आर्गेनिक खेती की ओर बढने के लिए भी जागरूक किया। जिलाधिकारी ने भारतीय संस्कृति एवं शासन की प्रमुख योजनाओं के विषय में भी जानकारी दी। जिलाधिकारी ने सम्भल संवाद ऐप के विषय में भी ग्राम वासियों को बताया उन्होंने कहा कि संभल संवाद ऐप को मोबाइल में डाउनलोड करके संभल से जुड़ी सभी जानकारियां प्राप्त की जा सकती हैं। जिलाधिकारी द्वारा पट्टों पर कब्जा न दिला पाने तथा सरकारी भूमि एवं खेल के मैदान को कब्जा मुक्त न करा पाने पर लेखपाल मो. वसीम पर विभागीय कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम चौपाल में अनुपस्थित रहे अधिकारियों एसडीओ विद्युत सम्भल एवं पूर्ति निरीक्षक चंदौसी पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज विश्नोई,डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार,खण्ड विकास अधिकारी पवांसा अमरजीत सिंह एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपोलो हॉस्पिटल के डॉक्टर से 6 लाख की ठगी, आरोपी ने सेना का अधिकारी बनकर ऐसे लगाई थी चपत

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली में दक्षिण जिला साइबर पुलिस ने अपोलो अस्पताल के एक वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ के साथ ठगी करने वाले साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने फोन पर डाक्टर से संपर्क कर खुद को सेना का अधिकारी बताते हुए 25 सैन्य कर्मियों को 1500 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से चिकित्सा परामर्श देने का अनुरोध किया था। इस दौरान कुछ विडियो काल भी किए और सैनिकों के पूर्व रिकार्डेड वीडियो दिखाकर डाक्टर भरोसा दिलाया और कहा कि पैसों का भुगतान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया जाएगा। डाक्टर ने बातों में आकर भुगतान के लिए फोन पे की जानकारी साझा कर दी। इसके बाद डाक्टर के पास खाते से पैसे निकलने के मैसेज आने लगे और चार बार में कुल छह लाख 69 हजार 109 रुपये निकाले गए, जिसमें से पांच लाख 98 हजार 584 रुपये उनके खाते से और 70 हजार 525 रुपये पत्नी के खाते से निकाले गए और आरोपित ने फोन नंबर ब्लाक कर दिया। धोखाधड़ी का संदेह होने पर डाक्टर ने 30 अगस्त को शिकायत दर्ज कराई। वहीं, पुलिस जांच में पता चला कि छह लाख रुपये का इस्तेमाल कार का लोन चुकाने के लिए हुआ है, जबकि 70 हजार रुपये से क्रेडिट कार्ड का भुगतान किया गया है। पुलिस ने आइपी एड्रेस, डिजिटल फुटप्रिंट्स और काल रिकॉर्ड की मदद से आरोपित के अलवर, राजस्थान में होने का पता लगाया और छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि आरोपित की पहचान जलालुद्दीन उर्फ जल्लू के तौर पर हुई है। वह अलवर का ही रहने वाला है। आरोपित से ठगी के पैसों से खरीदी गई कार, तीन मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड भुगतान से जुड़े 70 हजार रुपये के फिक्स्ड डिपॉजिट बरामद किए गए हैं। वहीं, बरामद किए गए तीन मोबाइल फोन एनसीआरपी (राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल) पर 26 अन्य शिकायतों से जुड़े पाए गए हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

शिक्षकों को जल्द मिलेगी बड़ी राहत, जल्द ही नई ट्रांसफर पॉलिसी पर लग सकती है मुहर

हरियाणा : समय से तबादला ड्राइव की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर है। नवरात्रों में नई संशोधित ट्रांसफर पॉलिसी को मंजूरी मिल सकती है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से ट्रांसफर ड्राइव को हरी झंडी दी जा चुकी है। अब मुख्य सचिव कार्यालय का मानव संसाधन विभाग नीति का अंतिम प्रारूप तैयार कर रहा है। शिक्षा विभाग ने भी विभिन्न श्रेणियों के शिक्षकों के लिए ऑनलाइन तबादला ड्राइव का मसौदा तैयार कर लिया है। इस बीच, शुक्रवार को हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (हसला) का प्रतिनिधिमंडल, राज्य प्रधान सतपाल सिंधु के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के उपप्रधान सचिव यशपाल यादव से मिला और मांग पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षकों के ट्रांसफर ड्राइव को जल्द शुरू करने की मांग पर जोर दिया। यशपाल यादव ने भरोसा दिलाया कि संशोधित ट्रांसफर पॉलिसी का प्रारूप तैयार हो चुका है और जल्द ही अधिसूचना जारी की

जाएगी। हसला ने शिक्षकों की कई अन्य समस्याएं भी प्रमुखता से उठाईं। मुलाकात के दौरान पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाली की मांग रखी गई। प्रिंसिपल के लगभग 250 रिक्त पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने की बात कही। पीजीटी (ग्रुप-बी) शिक्षकों को एचसीएस और आईएएस भर्ती में मौका देने की मांग की गई। पीजीटी पदनाम को लेक्चरर करने और मेडिकल रिइम्बर्समेंट से जुड़ी फाइलों को अंतिम रूप देने की भी मांग उठाई गई। एसोसिएशन ने पैनल्ड अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की। साथ ही, प्रोबेशन पूरा कर चुके प्राध्यापकों को कन्फर्म करने, सीसीएल (चाइल्ड केयर लीव) ऑनलाइन पोर्टल का लिंक जारी करने और एचआरए की संशोधित दरें लागू करने का मुद्दा भी उठाया। हसला ने कहा कि एसीपी, मेडिकल रिइम्बर्समेंट, सीसीएल, अवकाश व अध्ययन अनुमति जैसी लंबित फाइलों में नागरिक चार्टर का पालन होना चाहिए।

एक बार फिर से सरकार से उखड़े अनिल विज, बोले– कमेंट बॉक्स में लिखें हम क्या करें, लोगों ने दिए रोचक जवाब

हरियाणाः ऊर्जा परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने एक बार फिर से भाजपा प्रदेश नेतृत्व पर निशाना साधा है। विज ने एक्स पर पोस्ट करके लिखा कि कमेंट बॉक्स में लिखें हम क्या करें। इस पर उनके समर्थकों और लोगों ने रोचक जवाब दिए हैं। दरअसल, अनिल विज ने एक्स पोस्ट करके लिखा कि अंबाला छावनी में कुछ लोग समानांतर भाजपा चला रहे हैं जिनको ऊपर वालों का आशीर्वाद भी प्राप्त है। उन्होंने आगे लिखा है कि कमेंट बॉक्स में लिखें कि हम क्या करें। इस पोस्ट में उन्होंने बताया है कि पार्टी का बहुत नुकसान हो रहा है। अनिल विज के पोस्ट के वायरल होने के बाद एक बार फिर प्रदेश नेतृत्व पर घेर लिया है। अम्बाला छावनी में कुछ लोग समानांतर भाजपा चला रहे हैं जिनको ऊपर वालों का आशीर्वाद भी प्राप्त है । कमेंट बॉक्स में लिखें कि हम क्या करें । पार्टी का बहुत नुकसान हो रहा है ।

यमुनानगर में बुजुर्ग की हत्या, प्लॉट में बुरी हालत में मिला शव, 15 दिन पहले पोते का भी हुआ था मर्डर

यमुनानगर : यमुनानगर के कस्बा रादौर में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। गांव जुब्बल निवासी करीब 65 वर्षीय ओमप्रकाश का शव रादौर के एक प्लॉट में खून से लथपथ मिला। देर शाम से घर नहीं लौटने पर परिवार चिंतित था, लेकिन सुबह जब शव मिला तो गांव में सनसनी फैल गई। परिवार ने आरोप लगाया है कि 15 दिन पहले करनाल में ओमप्रकाश के पोते की हत्या हुई थी और ओमप्रकाश लगातार आरोपियों को सजा दिलाने के लिए पुलिस के चक्कर काट रहे थे। परिजनों का कहना है कि इसी रंजिश के चलते हत्या के आरोपी युवकों ने ओमप्रकाश की भी हत्या कर दी। उनका कहना है कि परिवार को लगातार धमकियां मिल रही थीं और आरोपियों का असली निशाना ओमप्रकाश का बेटा था। घटना के बाद परिवार ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए और चेतावनी दी कि जब तक आरोपी गिरफ्तार नहीं होते, वे शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है। मौके पर सीन ऑफ क्राइम टीम व डॉग स्क्वायड बुलाकर जांच शुरू कर दी है।

'सरकार का डबल इंजन किसानों के खिलाफ', दादरी पहुंचे दीपेंद्र हुड्डा ने भाजपा को घेरा

चरखी दादरी : कांग्रेस के रोहतक सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने चरखी दादरी के गांवों में जलभराव से प्रभावित खेतों का निरीक्षण किया। वहीं गांव नीमली में सरकारी स्कूल भी पहुंचे और पानी निकासी को लेकर सरकार पर अनदेखी के आरोप लगाए। सांसद ने टोंट कसते हुए कहा कि हरियाणा में भाजपा की सरकार का डबल इंजन किसानों के खिलाफ है। यहां ना जलनिकासी के प्रबंध और ना ही सरकार फसलों का पूरा मुआवजा दे रही है। हरियाणा सरकार ने केंद्र से पैकेज भी नहीं मांगा और ना केंद्र ने दिया तो ऐसे किसानों की भरपाई कैसे होगी। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने झज्जर विधायक गीता भुक्कल सहित कांग्रेस नेताओं के साथ गांव नीमली के खेतों में भरे पानी का जायजा लेते हुए किसानों से बातचीत की। किसानों ने सांसद के समक्ष बताया कि बार-बार अधिकारियों को अवगत कराने के

बाद भी उनके खेतों में पानी भरा हुआ है।

सांसद ने इस दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा क्षतिपूर्ति पोर्टल से फसलों की भरपाई करने का दावा सिर्फ दिखावा है। ऐसे तो किसानों को मुआवजा देने के दरवाजे ही बंद कर दिए है। पराली जलाने पर किसानों पर जुमार्ना हो रहा है, सटेलाइट से फसलों की गिरदावरी कर मुआवजा देने से सरकार कतरा रही है। जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में पानी निकासी के पुख्ता प्रबंध हों और प्रभावित क्षेत्रों को सरकार द्वारा बाढ़ ग्रस्त घोषित करना चाहिए। उनकी मांग है कि स्पेशल गिरदावरी करवाकर 60 हजार प्रति एकड़ मुआवजा देना चाहिए। सरकार की सिर्फ 7 हजार प्रति एकड़ मुआवजा की घोषणा ऊंट के मुंह में जीरा समान है। कांग्रेस संगठन को लेकर कहा कि जिलाध्यक्ष बने हैं अब प्रदेशाध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष भी जल्द बनेगा।

घर से आ रही थी बदबू, पुलिस को बुलाकर मकान खोला... सामने का नजारा देख सब हैरान

झज्जर : जिले के गांव बेरी में अज्ञात कारणों के चलते बुजुर्ग महिला की गर्दन पर तेजधार हथियार से वार कर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक महिला की पहचान पाना हिंदयान बेरी निवासी कृष्ण 63 के रूप में हुई है।

बुजुर्ग महिला की हत्या की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद बेरी शहर थाना प्रभारी सतीश कुमार, शहर चौकी प्रभारी सतबीर सिंह और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और सबूत जुटाए गए। बुजुर्ग महिला की हत्या क्यों और किसने की है। अभी पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि घर में मां-बेटा रहते थे। बेरी थाना प्रभारी सतीश कुमार का कहना है कि पाना हिंदयान में एक घर से बदबू आने की सूचना मिली थी और आसपास के लोगों ने बताया कि बुजुर्ग महिला पिछले दो दिनों से दिखाई नहीं दे रही

है।

परिजनों की मौजूदगी में वीडियोग्राफी करवाते हुए मकान को खोला गया तो अंदर कमरे में जमीन बुजुर्ग महिला लहूलुहान पड़ी हुई थी और गर्दन पर तेजधार हथियार से वार किया हुआ था। परिजनों के बयान दर्ज होने के बाद जो भी कानूनी कार्रवाही होगी अमल में लाई जाएगी। बुजुर्ग महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए झज्जर के नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया गया है।

ड्यूटी के दौरान दो घंटे सो जाने पर कांस्टेबल को बर्खास्त, हाईकोर्ट ने कहा- अनुशासन सुरक्षा बलों की रीढ़ है

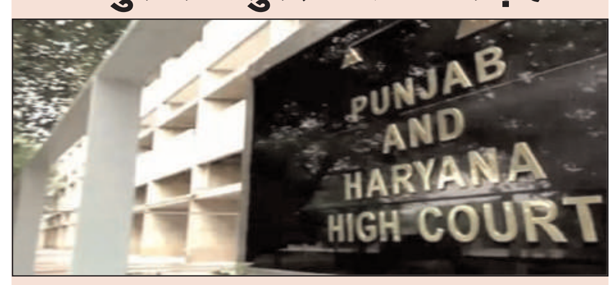

हरियाणा : हरियाणा में ड्यूटी के दौरान केवल दो घंटे सो जाने पर 15 साल सेवा दे चुके एक कांस्टेबल को बर्खास्त कर दिया गया। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने इस सजा को अत्यधिक असंगत बताते हुए इसे नागरिक मृत्यु के समान माना है। जस्टिस संदीप मौदगिल ने सीआरपीएफ कांस्टेबल की बर्खास्तगी का आदेश रद्द करते हुए कहा कि अनुशासन सुरक्षा बलों की रीढ़ है, लेकिन इसका मतलब अत्यधिक कठोरता नहीं होता। कानून यह सुनिश्चित करता है कि सजा न केवल अपराध के अनुरूप हो, बल्कि आरोपी की परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा जाए। कोर्ट के समक्ष यह तथ्य प्रस्तुत हुआ कि कांस्टेबल उस समय मानसिक दबाव में था क्योंकि उसकी मां गंभीर रूप से बीमार थी, जिसे मेडिकल रिकॉर्ड से भी प्रमाणित किया गया। कोर्ट ने पाया कि वह न तो स्टेशन से अनुपस्थित था और न ही स्टेशन असुरक्षित छोड़ा गया था। नशे में होने का कोई भी आरोप भी साबित नहीं हुआ। कोर्ट ने कहा कि लगभग 15 वर्षों की सेवा, बहादुरी के लिए प्राप्त सम्मान और अनुभव वाले कांस्टेबल को एक गलती के कारण बर्खास्त करना उसकी आजीविका और करियर खत्म करना है। यह सजा अपराध की तुलना में अत्यधिक कठोर है। कोर्ट ने बताया कि कांस्टेबल पर सीआरपीएफ अधिनियम, 1949 की धारा 11(1) के तहत कार्रवाई हुई थी, जो केवल लघु अपराधों के लिए होती है और इसमें फटकार या लघु सजा का प्रावधान है। अधिकारियों द्वारा एक ही घटना को दो अलग-अलग आरोप ड्यूटी से अनुपस्थिति और आदेश की अवहेलना के रूप में दर्ज करना गलत था। याचिकाकर्ता को पहले भी कुछ दंड मिल चुके हैं, जो वह भुगत चुका है, इसलिए उन्हें पुनः दंडित करना अन्यायपूर्ण है। साथ ही, कांस्टेबल के बहादुरी के रिकॉर्ड को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। मां की गंभीर बीमारी और अन्य परिस्थितियों को देखते हुए दी गई बर्खास्तगी कानून की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। अतः कोर्ट ने कांस्टेबल की बर्खास्तगी का आदेश रद्द कर दिया।

मनीषा मौत मामले पर अब शक के दायरे में ये लोग, सीबीआई ने 8 घंटे की पूछताछ

हरियाणा : शिक्षिका मनीषा मौत मामले की जांच के लिए भिवानी आई सीबीआई टीम ने नौंवे दिन पहली बार इडियल नर्सिंग कॉलेज पहुंचकर संचालकों से पूछताछ की। करीब साढ़े आठ घंटे तक टीम ने नर्सिंग कॉलेज के साथ-साथ आइडियल आईटीआई,

इडियल इंटरनेशनल स्कूल, और आइडियल वेटरनरी कॉलेज की वीडियो और फोटोग्राफी भी की। सीबीआई की एक अन्य टीम ढिगावा मंडी पहुंची और वहां स्थित दो लाइब्रेरियों में पूछताछ के साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली। मृतका मनीषा के पिता संजय कुमार का कहना है कि मनीषा नर्सिंग कोर्स की जानकारी लेने के लिए इसी कॉलेज गई थी। वे कॉलेज पर शक जता रहे हैं क्योंकि संचालकों ने अब तक सहयोग नहीं किया, न सीसीटीवी दिखाई और न उनसे मिलने आए। इसी कारण बुधवार को सीबीआई टीम कॉलेज पहुंची और संचालकों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान सीबीआई ने 112 पुलिस को भी बुलाया, लेकिन पुलिस कुछ समय बाद चली गई। टीम रात सवा आठ बजे तक जांच करती रही।मनीषा मौत का पूरा मामला 11 अगस्त को प्ले स्कूल की शिक्षिका मनीषा स्कूल गई, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजन ने पुलिस को सूचना दी, और 12 अगस्त को गुमशुदगी दर्ज हुई। 13 अगस्त को सिंघानी गांव के नहर किनारे मनीषा का शव मिला। गले पर चोट के निशान पाए जाने के कारण हत्या का आरोप लगा।शव का पोस्टमार्टम नागरिक अस्पताल में किया गया, लेकिन परिजन आरोपितों की गिरफ्तारी तक शव लेने से इनकार कर दिया। बाद में पीजीआई रोहतक और एम्स दिल्ली में दोबारा पोस्टमार्टम करवाया गया। विषैले पदार्थ पाए जाने के बाद परिजन ने सीबीआई जांच और एम्स में पोस्टमार्टम की मांग की, जिसे सरकार ने स्वीकार कर लिया।

'सरकार का डबल इंजन किसानों के खिलाफ', दादरी पहुंचे दीपेंद्र हुड्डा ने भाजपा को घेरा

चरखी दादरी : कांग्रेस के रोहतक सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने चरखी दादरी के गांवों में जलभराव से प्रभावित खेतों का निरीक्षण किया। वहीं गांव नीमली में सरकारी स्कूल भी पहुंचे और पानी निकासी को लेकर सरकार पर अनदेखी के आरोप लगाए। सांसद ने टोंट कसते हुए कहा कि हरियाणा में भाजपा की सरकार का डबल इंजन किसानों के खिलाफ है। यहां ना जलनिकासी के प्रबंध और ना ही सरकार फसलों का पूरा मुआवजा दे रही है। हरियाणा सरकार ने केंद्र से पैकेज भी नहीं मांगा और ना केंद्र ने दिया तो ऐसे किसानों की भरपाई कैसे होगी। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने झज्जर विधायक गीता भुक्कल सहित कांग्रेस नेताओं के साथ गांव नीमली के खेतों में भरे पानी का जायजा लेते हुए किसानों से बातचीत की। किसानों ने सांसद के समक्ष बताया कि बार-बार अधिकारियों को अवगत कराने के

बाद भी उनके खेतों में पानी भरा हुआ है।

सांसद ने इस दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा क्षतिपूर्ति पोर्टल से फसलों की भरपाई करने का दावा सिर्फ दिखावा है। ऐसे तो किसानों को मुआवजा देने के दरवाजे ही बंद कर दिए है। पराली जलाने पर किसानों पर जुमार्ना हो रहा है, सटेलाइट से फसलों की गिरदावरी कर मुआवजा देने से सरकार कतरा रही है। जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में पानी निकासी के पुख्ता प्रबंध हों और प्रभावित क्षेत्रों को सरकार द्वारा बाढ़ ग्रस्त घोषित करना चाहिए। उनकी मांग है कि स्पेशल गिरदावरी करवाकर 60 हजार प्रति एकड़ मुआवजा देना चाहिए। सरकार की सिर्फ 7 हजार प्रति एकड़ मुआवजा की घोषणा ऊंट के मुंह में जीरा समान है।

कांग्रेस संगठन को लेकर कहा कि जिलाध्यक्ष बने हैं अब प्रदेशाध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष भी जल्द बनेगा।

हरियाणा से पंजाब और जम्मू रूट पर नहीं चल रही बसें, यात्रियों को हो रही दिक्कत

हरियाणा बारिश और नदियों में उफान के चलते हरियाणा के अंबाला से पंजाब, जम्मू और हिमाचल की ओर जाने वाला रूट प्रभावित है। अभी तक यह मार्ग पूरी तरह से सुचारू नहीं हो सका है। इस कारण न सिर्फ अंबाला बल्कि दिल्ली से आने-जाने वाले यात्रियों को भी खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पंजाब जाने वाली रोडवेज बसें अब भी बंद

पंजाब में आई बाढ़ के बाद हरियाणा रोडवेज ने लुधियाना और पटियाला जाने वाली कुछ बसों का संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। लेकिन यह सेवाएं अब तक बहाल नहीं की गई हैं। इनमें दिल्ली से वाया अंबाला लुधियाना जाने वाली दो बसें और दिल्ली से अंबाला होते हुए पटियाला जाने वाली एक बस शामिल है। जम्मू और पंजाब की 6 बसें बंदफिलहाल जम्मू और पंजाब रूट की कुल छह बसें बंद पड़ी हैं। ये सभी बसें अंबाला के रास्ते संबंधित गंतव्यों तक जाती थीं। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इन बस सेवाओं को कब तक पुनः शुरू किया जाएगा।

हिमाचल रूट बहाल, यात्रियों को राहत

पिछले 10 दिनों से भूस्खलन के कारण बंद हिमाचल प्रदेश के रूट अब सुचारू कर दिए गए हैं। अब मंडी से आगे कुल्लू-मनाली तक बसों का संचालन हो रहा है। पहले ये बसें केवल मंडी तक ही जा रही थीं। इसके अलावा, बद्दी जाने वाली बस सेवाएं भी अब सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं।

कटरा और शिमला रूट पर भी असर

दिल्ली से कटरा, दिल्ली से शिमला और अंबाला से कटरा जाने वाली बसें भी अभी तक बहाल नहीं की गई हैं। स्टाफ की कमी के चलते इन रूटों पर संचालन प्रभावित है। यात्रियों को अन्य डिपो की बसों का सहारा लेना पड़ रहा है या फिर जो गिनी-चुनी बसें चल रही हैं, उनके लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इन रूटों पर बस सेवाओं को लेकर रोडवेज की कोई स्पष्ट योजना नजर नहीं आ रही है।

सिरसा में जल भराव के साइड इफेक्ट, रोजाना 1000 से 1200 लोग इलाज के लिए पहुंच रहे हैं अस्पताल

सिरसा : सिरसा में पिछले कई दिनों से घग्गर नदी पूरे उफान पर है। सिरसा के कई गांवों में घग्गर के अंदरूनी तटबंधों में कटाव और भारी बरसात के बाद गाँवो और शहर में जलभराव के चलते साइड इफेक्ट भी देखने को मिल रहे है। अब लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कई दिनों से जमा इस पानी से लोग बीमार हो रहे है। सिरसा के स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जारी किए आकड़ों के मुताबिक अब बारिश के बाद मरीजों की तादाद में काफी इजाफा हुआ है अब एक हजार से 12 सो मरीज सिरसा जिला के नागरिक अस्पतालों में आ रहे है और अपना इलाज भी करवा रहे है। अब लोगों को खुजली , बुखार , जुकाम सहित दूसरे इंफेक्शन हो रहे है जिसका इलाज सिरसा जिला के सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में किया जा रहा है।सिरसा

में घग्गर का पानी तो कम हो रहा है, लेकिन अब उसके साइड इफेक्ट्स लोगों की सेहत पर भारी पड़ रहे हैं। सिरसा ज़िले में घग्गर नदी का जलस्तर धीरे-धीरे भले ही कम हो रहा हो, लेकिन इसके बाद अब स्वास्थ्य संकट ने लोगों को घेर लिया है। बारिश और घग्गर के उफान के बाद अब लोग खुजली, बुखार, जुकाम और इंफेक्शन जैसी बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। सिरसा के सरकारी और निजी अस्पतालों में रोजाना 1000 से 1200 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं हालाँकि बारिश से पहले 800 से 1000 मरीज औसतन सिरसा जिला के अस्पतालों में आ रहे थे और अपना इलाज करवा रहे थे। सिरसा नागरिक अस्पताल के सीएमओ डॉ. महेंद्र भादू के मुताबिक, बारिश के बाद मरीजों की संख्या में 10 से 15 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है।

अंबाला में बदमाशों के हौसले बुलंद, चाकू से गोदकर 19 वर्ष के युवक की हत्या

अंबाला : अंबाला कैंट में बदमाशों के हौंसले बुलंद है। दरअसल, बब्याल में करीब 19 साल के युवक राहुल की चाकुओं से गोद कर हत्या कर दी, जबकि उसका चचेरा भाई विशाल बुरी तरह घायल हो गया। इस मामले में पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। मरने वाले शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस वारदात पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है दोनों सब्जी बेचने का काम करते थे और चंदपुरा इलाके के रहने वाले थे। जब ये दोनों बब्याल इलाके से गुजर रहे थे, तभी स्विफ्ट डिजायर कार में सवार युवकों ने दोनों को घेर लिया और दोनों से मारपीट की। इस हमले में राहुल की चाकू लगने से मौत हो गई और विशाल बुरी तरह

घायल हो गया, जिसका इलाज सिविल अस्पताल में चल रहा है। वारदात की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू की। परिजनों की माने तो इनका किसी से कोई झगड़ा नहीं था, यह रंजिश का मामला नहीं है। जल्द गिरफ्तार किए जाएंगे आरोपीः पुलिस

इस मामले को लेकर पुलिस का कहना है कि यह मामला पुरानी रंजिश का है और हमला करने वाले युवक बब्याल के ही रहने वाले हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हमलावरों को पकड़ने के लिए पुलिस की टीमें बना दी गई है। जल्द हमला करने वालों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सचिन तेंदुलकर बनेंगे बीसीसीआई के नए अध्यक्ष, महान बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट कर दिया कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अगले अध्यक्ष बनने की दौड़ में नहीं हैं। पिछले कुछ दिनों से ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि मास्टर ब्लास्टर को रोजर बिन्नी की जगह BCCI अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, SRT स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की है कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।

SRT स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या नामांकित किए जाने के बारे में कुछ रिपोर्ट और अफवाहें फैल रही हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। हम सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे निराधार अटकलों पर ध्यान न दें।'

BCCI अध्यक्ष का पद फिलहाल खाली है, क्योंकि रोजर बिन्नी को इस साल की शुरुआत में 70 साल की उम्र पूरी होने के बाद पद छोड़ना पड़ा था। बोर्ड के संविधान के अनुसार कोई भी पदाधिकारी 70 की उम्र के बाद पद पर नहीं रह सकता। इस बीच उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कार्यवाहक अध्यक्ष का कार्यभार संभाल लिया है। पदाधिकारियों के चुनाव 28 सितंबर को होने वाली BCCI की वार्षिक आम बैठक में होंगे और ऐसी अटकलें हैं कि सर्वसम्मति से इस पद के लिए तेंदुलकर से संपर्क किया जा सकता है।

तेंदुलकर के BCCI अध्यक्ष बनने की खबर उस समय और अधिक चर्चा में आई जब एक मीडिया हाउस ने दावा किया गया है कि अपने करियर के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़ने के लिए प्रसिद्ध एक दिग्गज भारतीय क्रिकेटर पर भी इस शीर्ष पद के लिए विचार किया जा रहा है। पूर्व क्रिकेटरों द्वारा BCCI अध्यक्ष पद संभालने का चलन 2019 में शुरू हुआ, जब सौरव गांगुली ने यह पद संभाला। बाद में भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य बिन्नी ने उनकी जगह ली।

गौरतलब है कि तेंदुलकर ने कभी कोई प्रशासनिक पद नहीं संभाला है और BCCI अध्यक्ष बनने के लिए किसी राज्य क्रिकेट संघ का सक्रिय सदस्य होना जरूरी है। BCCI संविधान के अनुसार प्रत्येक पूर्व भारतीय खिलाड़ी स्वतः ही अपने संबंधित राज्य संघ का सदस्य बन जाता है। हालांकि, BCCI में किसी भी पदाधिकारी पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए उस राज्य संघ से औपचारिक नामांकन आवश्यक है।

भारत-पाक मैचों का क्रेज कम हुआ, अब तक आधे टिकट भी नहीं बिके

दुबई (एजेंसी)। यहां खेले जा रहे एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अब तक दर्शकों की कमी देखी गयी है। यहां तक कि रविवार को होने वाले भारत और पाकिस्तान मैच के लिए भी टिकटों की मांग नहीं हैं। पहले जहां टिकटों की भारी मांग रहती थी और मोटी कीमत पर भी लोग इन्हें खरीदने के लिए तैयार रहते थे। वहीं इस बार आधी टिकटें भी नहीं बिकी है। इससे लगता है कि अब भारत-पाक मैच का आकर्षण पहले जैसा नहीं रहा। या दर्शक इस बार पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार कर रहे हों। रविवार को दोनो ही टीमों के बीच दुबई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ये मैच है पर अभी तक 50 फीसदी टिकट नहीं बिके हैं।

ये पहली बार ऐसा है, जब दोनो- टीमों के बीच मैच के टिकट मैच से पहले तक उपलब्ध रहने वाले हैं। इन टीमों के बीच मैच में प्रशंसकों के बीच टिकटों को लेकर मारामारी मची रहती थी पर इस बार ऐसा नहीं है। इसका कारण है कि करीब 50 फीसदी टिकट अभी भी नहीं बिके हैं। इसका बड़ा कारण ये हो सकता है कि भारतीय प्रशंसक इस मैच का बहिष्कार कर रहे हों और वे क्रिकेट जगत को दिखाना चाहते हैं कि वे पाक के साथ किसी भी स्तर पर क्रिकेट देखना पसंद नहीं करेंगे।

ऐसा इसलिए क्योंकि इस अप्रैल में पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से ही प्रशंसक पाक से किसी प्रकार का संबंध नहीं चाहते हैं। भारतीय क्रिकेट प्रशंसक इस बात से नाराज थे कि भारत सरकार और बीसीसीआई ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार नहीं किया। यही नाराजगी अब टिकट खिड़की पर दिख रही है। जिस मैच के लिए ब्लैक में टिकट मिलते थे, उस मैच के लिए टिकट बिक नहीं पा रहे। इससे पहले भारतीय पूर्व क्रिकेटरों ने ने लीजेंड्स लीग में पाकिस्तान का बहिषकार किया था। टिकट कम बिक्री का एक कारण ये भी माना जा रहा है कि

पाकिस्तान की टीम अब पहले जैसी नहीं रही और ये मैच एकतरफा होने लगे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम ने पिछले 5 मैच आसानी से जीते हैं। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान की टीम भारत को टक्कर नहीं दे पाती।

ब्रेट ली की सर्वकालिक टी20 एशिया कप टीम में विराट, रोहित सहित पांच भारतीय खिलाड़ी शामिल

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ये सर्वकालिक टी20 एशिया कप टीम बनायी है। इसमें पूर्व ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ने भारत के विराट कोहली, रोहित शर्मा, महेन्द्र सिंह धोनी, हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को शामिल किया है पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को जगह नहीं दी है। ब्रेट ली ने भारतीय टीम के पांच खिलाड़ियों जबकि पाकिस्तान के केवल दो खिलाड़ियों मोहम्मद रिजवान और हारिस रउफ को इस टीम में शामिल किया है।

रोहित और विराट ने पहले ही टी20 से संन्यास ले लिया है। ऐसे में ये दोनो ही एशिया कप 2025 के लिए टीम में नहीं हैं। वहीं रिजवान और बाबर खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर हैं। ली की बनायी टीम में धोनी और भारतीय टीम का हिस्सा रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी शामिल हैं।

टीम में यूएई के पूर्व स्पिनर अमजद जावेद, श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा, अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, यूएई के नवीद और पाकिस्तान के हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है।

ब्रेट ली की सर्वकालिक एशिया कप टी20 टीम

विराट कोहली, रोहित शर्मा, मोहम्मद रिजवान, बाबर हयात, एमएस धोनी, हार्दिक पंड्या, वानिंदु हसरंगा, राशिद खान, अमजद जावेद, मोहम्मद नवीद, हारिस रऊफ, जसप्रीत बुमराह।

एशिया कप में पाकिस्तान से नहीं खेलना चाहिये : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह का कहना है कि वर्तमान हालातों में पाकिस्तान से क्रिकेट मैच नहीं होना चाहिये। हरभजर ने कहा कि जब तक पाक से संबंध तनावपूर्ण हैं तब तक न तो खेल होना चाहिये और न ही व्यापार। हरभजन ने कहा कि जब तब दोनों देशों के बीच संबंध नहीं सुधर जाते तब तक भारत और पाकिस्?तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली जानी चाहिए। भारत और पाक टीम एशिया कप में रविवार को आमने-सामने होंगी। पहलगाम आतंकी हमले को देखते हुए हरभजन सहित कई प्रशंसकों का मानना है कि पाक के साथ खेल नहीं होना चाहिये। उनका कहना है कि पूर्व क्रिकेटरों ने भी वर्ल्ड चैंपियनशिप्स ऑफ लीजेंड्स में पाक के खिलाफ दोनो ही मुकाबलों का बहिष्कार किया था। हरभजन के अनुसार हर किसी की सोच अलग होती है पर मेरा मानना है कि जब तक दोनों देशों के बीच संबंध सुधर नहीं जाते, तब तक क्रिकेट और व्यापार दोनों नहीं होना चाहिए हालांकि अगर सरकार कहती है कि मैच होना चाहिए तो फिर यह खेला जाना चाहिए। मगर दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर होने चाहिए।

वहीं हरभजन ने भारतीय क्रिकेट टीम की क्षमताओं को लेकर कहा कि सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के बाहर होने के बाद भी टीम मजबूत है।उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, अगर कोई भारतीय टीम को हरा सकता है, तो वो खुद टीम इंडिया है। यह इतनी मजबूत टीम है। हमारी क्रिकेट अलग स्तर की है। भले ही विराट और रोहित संन्यास ले चुके हैं, लेकिन टीम काफी मजबूत है।

हरभजन के अनुसार भारतीय टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में जीतेगी।

विश्व चैंपियनशिप में आमने-सामने होंगे नीरज और अरशद

टोक्यो (ईएमएस)। 13 सितंबर से 21 सितंबर के बीच जापान की राजधानी टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। वहीं इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से 19 सदस्यीय टीम भाग लेगी जबकि पाकिस्तान की ओर से केवल नदीम ही उतरेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद से ही ये पहली बार होगा जब नीरज और नदीम के बीच शीर्ष पर पहुंचने को लेकर प्रतिद्वंद्विता होगी। नीजर से टोक्यो जबकि नदीम ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं नीरज चोपड़ा क्लासिक जेवलिन इवेंट के लिए नदीम को पहले आमंत्रण भेजा गया था पर दोनो देशों के बीच तनाव के बीच ही नदीम ने इसमें शामिल होने से ये कहकर इंकार कर दिया था कि इस दौरान उनक ट्रेनिंग कार्यक्रम है। विश्वचैंपियनशिप की शुरुआत शनिवार को होगी और 18 सितंबर को फाइनल खेला जाएगा।

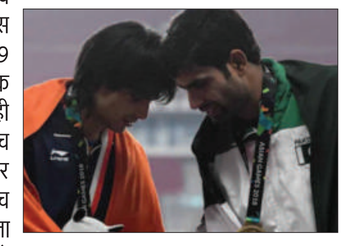

भारत ने पहले महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट विश्व कप के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत 11 से 25 नवंबर तक ऐतिहासिक रूप से पहली बार दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका की टीमें भाग लेंगी। मैच नई दिल्ली और बेंगलुरु में खेले जाएंगे। शुरुआत में काठमांडू को तीसरे मेजबान शहर के रूप में चुना गया था, जहां पाकिस्तान से जुड़े मैच होने थे, हालाँकि, नेपाल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए एक वैकल्पिक स्थल पर विचार किया जा रहा है।

भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विश्व कप में 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल मैच होंगे। 56 खिलाड़ियों की राष्ट्रव्यापी प्रतिभा खोज, उसके बाद कठोर प्रशिक्षण और चयन शिविरों के बाद दृष्टिबाधित महिलाओं के लिए अंतिम 16 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा की गई है, जो विश्व मंच पर अपनी प्रतिभा, लचीलापन और जुझारूपन दिखाने के लिए तैयार है।

टीम सूची

बी1 श्रेणी : सिमू दास (दिल्ली), पी. करुणा कुमारी (आंध्र प्रदेश), अनु कुमारी (बिहार), जमुना रानी टुडू (ओडिशा), काव्या वी (कर्नाटक)

बी2 श्रेणी : अनेखा देवी (दिल्ली), बसंती हंसदाह (ओडिशा), सिमरनजीत कौर (राजस्थान), सुनीता सराठे (मध्य प्रदेश), पारबती मांडी (ओडिशा)

बी3 श्रेणी : दीपिका टीसी (कर्नाटक - कप्तान), फूला सोरेन (ओडिशा), गंगा एस कदम (महाराष्ट्र - उप कप्तान), काव्या एनआर (कर्नाटक), सुषमा पटेल (मध्य प्रदेश), दुर्गा येवले (मध्य प्रदेश)

समर्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड की क्रिकेट शाखा, द क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (CABI) इस ऐतिहासिक विश्व कप का गौरवशाली आयोजक है, जो दिव्यांग खिलाड़ियों, विशेषकर महिलाओं के लिए समान मंच बनाने में भारत के नेतृत्व को दर्शाता है। CABI के अध्यक्ष महंतेश जी किवादासन्नावर ने कहा, 'यह विश्व कप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, यह साहस, कौशल और समावेशिता का उत्सव है। भारत में इसकी मेजबानी करना गर्व की बात है और मुझे विश्वास है कि हमारी लड़कियां इस कसौटी पर खरा उतरेंगी, लाखों लोगों को प्रेरित करेंगी और देश को गौरवान्वित करेंगी।' इससे पहले भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने 2023 IBSA विश्व खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया था, जहां दृष्टिबाधित क्रिकेट ने अपनी शुरुआत की।

टी20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर हैं चहल कुलदीप दूसरे नंबर पर पहुंचे

मुम्बई। भारत के लिए अभी तक टी20 में सबसे अधिक विकेट तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के नाम है। अर्शदीप ने अभी तक 99 विकेट लिए हैं। वहीं लेग युजवेंद्र चहल सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। उनके नाम 96 विकेट हैं। स्पिनरों की बात करें तो चहल पहले नंबर पर हैं। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे स्पिनर कुलदीप यादव हैं। उनके नाम 41 मैचों में 73 विकेट हैं। वहीं इसके बाद आर अश्विन और अक्षर पटेल का नंबर आता है। अश्विन ने 65 मैचों में 72 विकेट लिए हैं। वे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे स्पिनर हैं। वहीं अक्षर पटेल के भी इतने ही विकेट हो गये हैं हालांकि उन्होंने अश्विन से अधिक विकेट लिए है। अक्षर पटेल ने 72 मैचों में 72 विकेट हासिल कर लिए हैं। वे इस सूची में चौथे नंबर पर हैं। वहीं स्पिनर रवि बिश्नोई पांचवें नंबर पर है, उन्होंने 42 मैचों में 61 विकेट लिए हैं।

एशिया कप 2025 : श्रीलंका पर मनोवैज्ञानिक बढ़त मजबूत करने

अबु धाबी (एजेंसी)। बंगलादेश शनिवार को शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में एशिया कप 2025 टी-20 के पांचवें मुकाबले में अपने पहले मैच में मिली जीत की महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक बढ़त को मजबूत करने और श्रीलंका के खिलाफ टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करने के लिए उतरेगा।

पिछले महीनों के आंकड़ों के अनुसार बंगलादेश का पलड़ा भारी है क्योंकि उसने जुलाई 2025 में श्रीलंका को टी-20 सीरीज में 2-1 से हराया था और उनकी मौजूदा लय उन्हें एक प्रतिस्पर्धी टीम बनाती है। बंगलादेश ने एशिया कप में हांगकांग के खिलाफ शानदार शुरुआत की है। इस मैच में बंगलादेश ने लिटन दास की 39 गेंदों पर 59 रनों की आक्रामक पारी की बदौलत बंगलादेश ने हांगकांग के खिलाफ 144 रनों के लक्ष्य का 18 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया।

बंगलादेश के सलामी बल्लेबाज तनजीद हसन और परवेज हुसैन इमोन, मध्यक्रम के बल्लेबाज तौहीद हृदय और जैकर अली के साथ मिलकर एक संतुलित बल्लेबाजी क्रम प्रदान करते हैं जो प्रभावी ढंग से पारी को आगे बढ़ाने और समाप्त करने में सक्षम है। वहीं अगर गेंदबाजी की बात की जाए तो तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान का तेज गेंदबाजी आक्रमण शानदार फॉर्म में है। स्पिनर महेदी हसन, तनजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन अबु धाबी की परिस्थितियों के अनुकूल हैं। संभावित बंगलादेश एकादश- परवेज हुसैन इमोन, तनजीद हसन तमीम, लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), तौहीद हृदय, शमीम हुसैन, जैकर अली, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तनजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान। वहीं अगर श्रीलंका की बात की जाये तो उसने अपने पिछले पांच टी-20 मैचों में से केवल दो में जीत हासिल करते हुए, अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष किया है। बंगलादेश से सीरीज हार और जिम्बाब्वे से मिली करारी हार ने एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत में टीम पर दबाव बढ़ा दिया है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका, कुसल मेंडिस और कुसल परेरा के साथ मिलकर पारी को स्थिर करने की उम्मीद है, जबकि कामिल मिशारा और चरित असालंका पारी के अंत में तेजी ला सकते हैं।

गेंदबाजी आक्रमण की बात की जाए तो वनिंदु हसरंगा, महेश थीक्षाना, दुनिथ वेल्लालेज और चरित असालंका की अगुवाई में श्रीलंका का स्पिन विभाग अबु धाबी की पिच पर महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, जो बीच के ओवरों में स्पिनरों के लिए अनुकूल है। दुष्मंथा चमीरा तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे, हालांकि हालात में स्पिनरों का पलड़ा भारी लग सकता है।

विश्लेषकों के अनुसार शेख जायद स्टेडियम की पिच संतुलित है जिस पर बल्लेबाज शुरुआत में खुलकर खेल सकते हैं, जबकि स्पिनर बीच के ओवरों में सटीकता का फायदा उठाकर नियंत्रण बना सकते हैं। इस मैदान पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ऐतिहासिक रूप से फायदा मिलता रहा है। पिछले 10 टी20 मैचों में से आठ लक्ष्य का पीछा कर जीते गए है। इसलिए टॉस जीतने वाले कप्तान के पहले क्षेत्ररक्षण करने की संभावना है। 170 के आसपास के स्कोर से एक प्रतिस्पर्धी मुकाबला होने की उम्मीद है।

संभावित प्लेइंग 11

बंगलादेश = तंजीद हसन, परवेज़ हुसैन इमोन, लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, जेकर अली, महेदी हसन, तंज़ीम हसन, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान

श्रीलंका =पथुम निसंका, कुसल मेंडिस (विकेट कीपर), कुसल परेरा, कामिल मिशारा, कामिंदु मेंडिस, चरित असालंका (कप्तान), दासुन शनाका, महेश दीक्षाना, दुनिथ वेल्लालेज/मथीशा पथिराना, वानिंदु हसरंगा, दुष्मंथा चमीरा।

संत प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंची साइना नेहवाल

नई दिल्ली। अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल संत प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंची हैं। साइना के साथ इस दौरान उनकी मां और बहन भी थीं। साइना ने कहा कि कई बार जब उन्हें किसी इवेंट में जाना होता है तो वह तनाव में आ जाती। जिससे वह मुक्त होना चाहती हैं। इसपर प्रेमानंद जी महाराज ने उनकी शंकाओं का समाधान किया। साइना की प्रेमानंद जी महाराज के दर्शन करते समय की जो वीडियो आई है इसमें वह महाराज जी के सामने हाथ जोड़कर खड़ी हुई हैं और अपनी परेशानी उन्हें बता रही हैं। साइना के साथ उनकी मां उषा नेहवाल और उनकी बहन भी दिखाई दे रही हैं। साइना ने प्रेमानंद महाराज से पूछा, ', मुझे मंदिर जाना बहुत पसंद है और मैं काफी मंत्र भी जपती हूं पर जब भी मुझे कुछ लोग इवेंट्स में बुलाते हैं, तो उस टाइम का न सोचकर मैं थोड़ा तनाव में आ जाती हूं कि इस कार्यक्रम का क्या होगा।' साइना के सवाल का जवाब देते हुए प्रेमानंद महाराज ने कहा, 'अज्ञान की वृद्धि जब तक नष्ट नहीं होगी तब तक वह चिंता बनी रहती है। वहीं वर्तमान के समय को यदि हम भगवान के नाम को जपने में लगा दें तो हमारा भूत और भविष्य दोनों ठीक हो जाएगा।' संत ने कहा कि जब हमारी बुद्धि खराब हो जाती है तो नकारात्मकता अधिक फैलने लगती है और जब बुद्धि ज्यादा नकारात्मक हो जाती है तब हम अवसाद में पहुंच जाते हैं। वहीं अगर हमारी बुद्धि सकारात्मक होती है तो हम समस्या के साथ भी खुश रहते हैं।' हाल में साइना निजी जीवन को लेकर परेशान रही हैं। कुछ समय पहले ही उनका बैडमिंटन स्टार पारुपल्ली कश्यप से अलग होने की बात कही थी हालांकि बाद में फिर दोनो एकसाथ आ गये। दोनों ने अपने रिश्ते को एक ओर मौका दिया। साइना ने पति कश्यप के साथ तस्वीर शेयर करके जानकारी दी। प्रेमानंद जी महाराज ने आगे कहा कि तनाव नाम जप से आएगा। अगर हम राधा राधा राधा कृष्ण कृष्ण राम राम जो नाम प्रिय है वह नाम जप करें और पवित्र भोजन पावें। तो हमारे अंदर जो चिंता है, जो बेचैनी है यह फिर हमारे अंदर नहीं रहेगी. हर समय प्रसन्न रहेंगे. देखो जो भगवान के भक्तजन होते हैं, वे कैसी भी स्थिति को प्रसन्न रहते हैं, क्योंकि उनकी नकारात्मकता समाप्त हो जाती है। इसलिए नियमित तौर पर जाप करें। साइना से पहले क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी संत की शरण में पहुंचे थे।

'वह खेल को पूरी तरह से बदल सकते हैं' : पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने भारतीय ऑलराउंडर की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अक्सर भावनाएं हावी हो जाती हैं, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ का मानना है कि इसी कमी के कारण उन्हें हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण मैच गंवाने पड़े हैं। राजनीतिक तनाव के कारण दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट एक दशक से भी ज्यादा समय से स्थगित है जिससे उनके मुकाबले आईसीसी और एसीसी प्रतियोगिताओं तक ही सीमित हैं। पिछले 10 सालों में यह प्रतिद्वंद्विता काफी हद तक एकतरफ़ा रही है, जिसमें भारत ने 15 में से 12 मैच जीते हैं।

लतीफ ने कहा, 'हम भावुक या अति उत्साहित हो जाते हैं और एक ही बार में सब कुछ करने की कोशिश करते हैं। हम भारत के खिलाफ मैच को ज्यादा आगे नहीं ले जाते और इसी वजह से पाकिस्तान ज्यादातर हार जाता है।' पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने आगे कहा, 'दूसरी ओर, भारत पिच और मैच की स्थिति के अनुसार खेलता है और इसीलिए वे सफल होते हैं।'

दोनों देश रविवार को दुबई में एशिया कप के ग्रुप ए मैच में एक-दूसरे के खिलाफ अपनी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू करेंगे। लतीफ का मानना है कि हार्दिक पांड्या के फिनिशिंग कौशल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन द्वारा प्रदान किया गया संतुलन और जसप्रीत बुमराह की बेजोड़ सटीकता के साथ भारत की संयम बनाए रखने की क्षमता, उन्हें इस समय एक पूर्ण टीम बनाती है।

लतीफ ने कहा, 'हार्दिक पांड्या एक खतरनाक खिलाड़ी हैं। मध्यक्रम के खिलाड़ी या नीचे आने वाले खिलाड़ी खेल को बदल सकते हैं। पांड्या ने ऐसा एक बार नहीं, बल्कि कई बार किया है, जो अद्भुत है और इसीलिए उन्हें एक्स-फैक्टर कहा जाता है। वह खेल को पूरी तरह से बदल सकते हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और सूर्य कुमार यादव जैसे खिलाड़ी संतुलन लाते हैं, गेंदबाजी में बुमराह एक बड़ी संपत्ति हैं। कुल मिलाकर, यह एक बहुत अच्छी टीम है।'

लतीफ के लिए बुमराह अभी भी वह गेंदबाज हैं जो मुकाबलों को पलट सकते हैं। उन्होंने कहा, 'जहां तक गेंदबाजी की बात है, सटीकता ज्यादा है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीयों का धैर्य और कौशल खेल के दौरान बेहतर प्रदर्शन करता है।' मेलबर्न में 2022 के टी20 विश्व कप में विराट कोहली के नाबाद 82 रनों ने भारत को मुश्किल से बाहर निकालकर अंतिम गेंद पर चार विकेट से जीत दिलाई। एक साल बाद एशिया कप में भारत ने कोलंबो में पाकिस्तान को 228 रनों से हरा दिया, लेकिन उनका सुपर 4 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। अमेरिका में 2024 के टी20 विश्व कप में बुमराह के तीन विकेटों ने छह रनों से जीत सुनिश्चित की, क्योंकि भारत सिर्फ 119 रनों का बचाव कर पाया।

लतीफ ने कहा, 'पाकिस्तान पर पिछले 30 सालों से दबाव है। इसलिए शायद भारत इसका फायदा उठाने की कोशिश करेगा।' हालांकि उन्होंने भारत की एक संभावित कमजोरी की ओर इशारा करते हुए कहा, 'भारत में एकमात्र कमी यह है कि उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेले हैं। वे जरूर अभ्यास मैच खेल रहे होंगे या अभ्यास कर रहे होंगे। लेकिन उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। यह एक नुकसानदेह स्थिति हो सकती है।'

इस बीच पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में मुश्किल स्पिन पिचों पर त्रिकोणीय श्रृंखला खेलकर आया है, और लतीफ का मानना ??है कि यह अनुभव उन्हें जल्दी से अनुकूलन करने में मदद कर सकता है। नए कप्तान सलमान अली आगा के नेतृत्व में टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं, लेकिन एक ऐसा मुख्य समूह भी है जिसने इस दशक की शुरुआत में पदार्पण किया था। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम वही है। मैं कह सकता हूं कि तीन नए खिलाड़ी हैं। सलमान अली आगा, जो हाल ही में आए हैं। सैम अयूब का 2024 में पदार्पण। हसन नवाज। बाकी खिलाड़ी 2021, 2018 और 2016 के हैं। लतीफ ने कहा, 'हमारे पास एक नया कप्तान भी है और आप कह सकते हैं कि पाकिस्तान को बढ़त हासिल है।'

लतीफ का मानना है कि साहिबजादा फरहान पाकिस्तान के लिए एक सरप्राइज पैकेज हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'वह पिछले 3-4 सालों से टी20 में शीर्ष पर चल रहे हैं। उन्होंने लगभग 1000 रन बनाए हैं। पिछले सीजन में उन्होंने 4-5 शतक लगाए थे। इस तरह उन्होंने खुद को वापस ला दिया है। उनकी अच्छी बात यह है कि वह टी20 क्रिकेट वैसे ही खेलते हैं जैसे उसे खेला जाना चाहिए। उन्हें जो भूमिका दी जाती है, वह उसे निभाते हैं। वह अपने लिए नहीं खेलते। वह पहले 10-12 ओवरों में गति पकड़ने की कोशिश करते हैं और यही उनकी सफलता का मंत्र रहा है।'

नवंबर में चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अनुसार जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएंगा। इसमें 28 नवंबर को जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच खेला जाएगा। मेजबान भारतीय टीम अपना पहला मैच 28 नवंबर को ही चिली के खिलाफ खेलेगी। उसके बाद उसे 29 नवंबर को पाकिस्तान से खेलना है। भारतीय टीम अपना अंतिम लीग मैच 2 दिसंबर को मदुरै में स्विट्जरलैंड से खेलेगी। पहली बार हो रहे इस विश्व कप में दुनिया भर की 24 टीमें भाग लेंगी। इसमें छह टीमों को चार-चार के छह समूहों में विभाजित किया गया था और भारत को ग्रुप-बी में पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया था। एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इकराम ने कहा कि जूनियर विश्व कप का शुभारंभ इस प्रतिष्ठित आयोजन की हमारी यात्रा में एक और रोमांचक बनाता है। एफआईएच के इतिहास में पहली बार, जूनियर विश्व कप में 24 टीमें शामिल रहेंगी। इससे उभरती हुई प्रतिभाओं को आगे आने की प्रेरणा मिलेगी। यह न केवल हॉकी के वैश्विक विकास और समावेशिता को बताता है, बल्कि उभरते हॉकी देशों को शीर्ष स्थापित टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अवसर भी प्रदान करता है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भी शामिल किया गया है हालांकि अभी तक पाक हॉकी संघ ने इसमें भाग लेने की पुष्टि नहीं की है।

रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल के साथ नए सफर की शुरुआत कर रही हैं कुब्रा सैत

बोल्ड चॉइसेज़ और बेबाक अंदाज़ के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत, जिन्होंने थिएट्रिकल और डिजिटल दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपनी प्रतिभा साबित की है, अब एक बिल्कुल नए सफर की शुरुआत कर रही हैं—अपने पहले रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल के साथ। अपनी अनफ़िल्टर्ड पर्सनैलिटी और वर्सटिलिटी के लिए मशहूर एक्ट्रेस अब ऐसे मंच पर खुद को आज़मा रही हैं जहाँ अनप्रिडिक्टेबिलिटी ही असली नियम है। कुब्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने इस सफर के मायने बताए। अपनी ईमानदारी और गहराई से भरे अंदाज़ में उन्होंने कहा्मुझे अनजाने को खोजने का शौक है और यह मेरे लिए सबसे बेहतरीन अनुभव होने वाला है। मेरी ज़िंदगी के अनुभवों के हिसाब से, मैं कभी शासक बन सकती हूँ तो कभी मेहनतकश इंसान। मैं एक भरोसेमंद, ज़िम्मेदार इंसान हूँ। चाहे मैं बेसमेंट में रहूँ, मैं वफ़ादार रहूँगी। और हम ज़रूर उठेंगे।

उनका यह बयान बिल्कुल वही दर्शाता है जिसकी उम्मीद उनके फैंस उनसे करते हैं—हिम्मत, यक़ीन और अटूट जज़्बा। यह राइज़ एंड फॉल के फॉर्मेट को भी बखूबी दर्शाता है, जहाँ कंटेस्टेंट्स को ऊँचाइयों और गहराइयों से गुज़रते हुए, लॉयल्टी, स्ट्रैटेजी और एडैप्टेबिलिटी की असली परीक्षा देनी पड़ती है। कुब्रा के लिए, जो हमेशा खुद को नए रूप में ढालने के लिए जानी जाती हैं, यह मौका है स्क्रिप्ट्स और किरदारों को पीछे छोड़कर खुद को असली और अनफ़िल्टर्ड रूप में पेश करने का। उनके शब्द यह जताते हैं कि वह केवल सर्वाइव ही नहीं करना चाहतीं, बल्कि मुश्किलों के बावजूद मजबूती से खड़ी होकर जीतना चाहती हैं। राइज़ एंड फॉल के साथ, कुब्रा अपने शानदार करियर में एक और अध्याय जोड़ रही हैं। फिल्मों और वेब-शोज़ में अपने स्टैंडआउट परफॉर्मेंस की तरह ही अब वह रियलिटी शो की अनिश्चित दुनिया में भी उतनी ही ऊर्जा के साथ कदम रख रही हैं। वहीं, वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत जल्द ही काजोल के साथ द ट्रायल्स सीज़न 2 में और वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नज़र आएंगी।

'एक चतुर नार' में कॉमेडी के रंग में नजर आएंगी दिव्या खोसला

अभिनेत्री दिव्या खोसला अपनी आने वाली फिल्म एक चतुर नार को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वो पहली बार कॉमेडी में हाथ आजमाती दिखाई देंगी। फिल्म की रिलीज से पहले दिव्या ने खास बातचीत में बताया कि वो हमेशा से ही कॉमेडी में हाथ आजमाना चाहती थीं। उनके अंदर कॉमेडी कूट-कूटकर भरी हुई है। दिव्या खोसला ने कहा, मुझे हमेशा से पता नहीं क्यों लगता रहा है कि कॉमेडी ही मेरी शैली है। और मैं हमेशा से इसे करना चाहती थी और ईश्वर से प्रार्थना करती थी कि मुझे एक कॉमेडी फिल्म में काम करने का मौका मिले। इसलिए जब यह मौका आया, तो मुझे लगा कि आखिरकार मुझे वह करने का मौका मिल रहा है जो मैं करना चाहती थी। शायद लोग मेरे इस पहलू को नहीं जानते, क्योंकि मैं असल जिंदगी में भी बहुत कॉमेडी करती रहती हूं। उन्होंने आगे कहा, शायद इसलिए इस फिल्म में काम करते हुए मुझे काफी मजा आया और मुझे लगता है कि जब आप इसका आनंद लेते हैं और उस दबाव को नहीं लेते, तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात होती है, वह सफर वाकई सुखद होता है। एक चतुर नार की कहानी हिमांशु त्रिपाठी ने लिखी है।

इस फिल्म को उमेश शुक्ला ने डायरेक्ट किया है। यह एक ब्लैक कॉमेडी थ्रिलर फिल्म है। इसमें दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह 12 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म की कहानी एक छोटे शहर में रहने वाली होनहार लड़की की है। वह बहुत ही महत्वाकांक्षी और चालाक है। इसमें उसके हाथ बड़े शख्स का प्राइवेट वीडियो आ जाता है। वो फिर उसे आगे बढ़ने की सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करने लगती है।

फिल्म में उनके सह-कलाकार नील नितिन मुकेश ने भी फिल्म में काम करने का अपना अनुभव कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में साझा किया था। इसमें उन्होंने निर्देशक की अपने कलाकारों का अच्छी तरह से ख्याल रखने और उन्हें उड़ान भरने की पूरी आजादी देने के लिए सराहना की थी।

जॉली एलएलबी 3 का ट्रेलर रिलीज, कोर्टरूम ड्रामा में भिड़ेंगे अक्षय कुमार और अरशद वारसी

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म जॉली एलएलबी 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार ने इस ट्रेलर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

फिल्म में एक बार फिर कोर्टरूम ड्रामा, सामाजिक मुद्दे, और हास्य का मेल देखने को मिलेगा। इस बार कहानी और भी गंभीर और संवेदनशील विषय को उठाती नजर आती है, जिसमें दो जॉली, अक्षय कुमार और अरशद वारसी, आमने-सामने हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक गंभीर और भावनात्मक डायलॉग से होती है, मेरे दादा को परदादा से और मुझे पिता से जो विरासत में मिली, वही सौंपना चाहता था मैं अपने बेटे को। इस वॉयसओवर के साथ दंगों, पुलिस के लाठीचार्ज और सामाजिक उथल-पुथल के दृश्य सामने आते हैं। इसी दौरान एक महिला स्वर्गीय राजाराम सोलंकी की मूर्ति के पैरों से लिपटी दिखाई देती है। इसके बाद अक्षय कुमार की एंट्री होती है, जो स्कूटर चलाते नजर आते हैं। वह पैसों के बदले में अपने असिस्टेंट से कहते हैं, कोई जॉली बोले तो उसे मेरे पास ही लेकर आना। अक्षय कुमार के साथ हुमा कुरैशी भी नजर आई हैं, जिनकी शराब पीने की आदत से अक्षय परेशान दिखाई देते हैं। वहीं, अरशद वारसी एक बार फिर वकील के किरदार में हैं, जो खुद को बेहद बिजी बताते हैं, लेकिन असल में उनके पास कोई काम नहीं होता। ट्रेलर में अक्षय और अरशद एक ही क्लाइंट को लेकर भिड़ते भी दिखते हैं। अरशद अक्षय को क्लाइंट चोर तक कह देते हैं, जिसके बाद दोनों के बीच हाथापाई की नौबत आ जाती है।

फिल्म की कहानी में एक जमीन विवाद को प्रमुख रूप से दर्शाया गया है, जिसमें खेतान साहब, जिनका किरदार गजराज राव निभा रहे हैं, एक प्रभावशाली भूमिका में दिखाई देते हैं। अक्षय कुमार खेतान साहब से मिलने के लिए किसी से गुजारिश करते हैं, जो कहता है कि उन्हें खुद मिलने में एक साल और नाम याद कराने में दो साल लगे। लेकिन, चौंकाने वाला मोड़ तब आता है, जब खेतान साहब खुद अक्षय से मिलने पहुंचते हैं। इस केस को लेकर अक्षय और अरशद एक बार फिर आमने-सामने आते हैं। कोर्टरूम में दोनों वकीलों के बीच की बहस, रणनीति और नोकझोंक कहानी को दिलचस्प मोड़ देती है। ट्रेलर में अमृता राव की झलक भी देखने को मिली है। ट्रेलर से साफ है कि जॉली एलएलबी 3 कॉमेडी के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर गंभीरता से सवाल उठाएगी। जॉली एलएलबी 3 19 सितबंर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अक्षरा सिंह ने जिंदगी के नाम दिया बड़ा संदेश

अपनी दमदार एक्टिंग और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत तस्वीर साझा की, जिसने न सिर्फ उनके फैंस का दिल छू लिया, बल्कि उनके कैप्शन ने भी सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस पोस्ट में अक्षरा ने कैप्शन में अपने जज्बात लिखे। तस्वीर में अक्षरा सिंह एक खूबसूरत सूट में नजर आ रही हैं जो उनकी सादगी और खूबसूरती को और निखार रहा है। उनके चेहरे पर आत्मविश्वास की एक अलग चमक है। अपने जज्बातों को जाहिर करते हुए अक्षरा ने लिखा, हो अगर गलतफहमियां, तो भी खामोशी से मुस्कुराऊंगी, शिकवे नहीं, बस सब्र से अपने जज्बातों को छुपाऊंगी। इस कैप्शन में अक्षरा ने न सिर्फ अपने जज्बात जाहिर किए हैं, बल्कि एक संदेश भी दिया है कि चाहे हालात कैसे भी हों, खुद को कमजोर नहीं पड़ने देना चाहिए। उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा, साथ न दो तुम अगर, तो भी न डगमगाऊंगी, कांटों की राहों पर चलकर भी, अपने हौसलों को सजाऊंगी। दिल टूटे तो क्या हुआ, सांसों का सफर अब भी बाकी है, जिंदगी की किताब में कुछ नए पन्ने लिखने की झांकी है, हर दर्द को रोशनी में बदलकर खुद को ही अपनाऊंगी, हो अगर गलतफहमियां, तो भी खामोशी से मुस्कुराऊंगी।

आलिया ने जाहिर की कॉमेडी फिल्म करने की ख्वाहिश

आलिया भट्ट की जिंदगी मां बनने के बाद काफी बदल गई है, इस बात का असर उनकी फिल्मों की च्वाइस पर भी पड़ने लगा है। हाल ही में आलिया भट्ट ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। ऐसा वह अपनी बेटी के लिए करना चाहती हैं। बातचीत में आलिया भट्ट ने अपने फ्यूचर फिल्म प्रोजेक्ट का जिक्र किया है। आलिया चाहती हैं कि वह ऐसी फिल्म करना चाहती है, जिसे बेटी राहा देख सके। आलिया एक कॉमेडी फिल्म करने की ख्वाहिश रखती हैं। वह कहती हैं, 'मैंने अब तक खुद कॉमेडी नहीं की है, इसलिए इस जॉनर की फिल्म करना चाहती हूं। मैं कुछ ऐसा तलाश कर रही हूं, जो मुझे इंस्पायर करे।' आलिया भट्ट आगे कहती हैं, 'कुछ एक्साइटिंग चीजें मेरे पास आई हैं, अभी इनके बारे में बात नहीं कर सकती हूं। बस मैं सही डायरेक्शन में आगे बढ़ना चाहती हूं।'

इस साल एक्शन फिल्म में नजर आएंगी आलिया

आलिया भट्ट के करियर फ्रंट की बात की जाए तो वह इस साल एक फिल्म 'अल्फा' कर रही हैं। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, इसमें आलिया एक स्पाई का रोल करती दिखेंगी। इस फिल्म में शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर आलिया इन दिनों काफी मेहनत कर रही हैं।

रंग के कारण खूब मिले रिजेक्शन

एक्ट्रेस मंजरी पुपला कभी एयरोनॉटिकल इंजीनियर बनने का सपना देखती थीं। लेकिन एक्टिंग के लिए पैशन ने उन्हें थिएटर, टीवी और सिनेमा की दुनिया से जोड़ा। साल 2015 में मराठी टीवी सीरियल दिल दोस्ती दुनियादारी से एक्टिंग डेब्यू किया। वह 2017 में टीवी रियलिटी शो सबसे बड़ा कलाकार में एक्टिंग गुरु बनकर पहुंचीं। करियर के शुरुआती दौर में अपने अपने डार्क कॉम्प्लेक्शन के कारण कई रिजेक्शन मिले।

आज मंजरी पुपला सिनेमा से लेकर ओटीटी की दुनिया में जाना-पहचाना नाम हैं। हमने उन्हें वेब सीरीज शहर लखोट और दहाड़, जबकि बड़े पर्दे पर सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और धड़क 2 में देखा-सराहा है। बातचीत में मंजरी ने अपने करियर, संघर्ष और सिनेमाई सफर पर बड़ी बेबाकी से बात रखी है।

कल्पना चावला की तरह अंतरिक्ष में जाना चाहती थी

मंजरी बताती हैं कि वह हमेशा से अभिनेत्री नहीं बनना चाहती थीं। वह कहती हैं, मैं तो एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी। मैं कल्पना चावला की तरह अंतरिक्ष में जाना चाहती थी। मगर जब मैंने मराठी एक्ट्रेस वीणा जामकर को स्टेज पर देखा, तो मैं मंत्रमुग्ध हो गई। उसी पल मैंने तय किया कि मैं अब एयरोस्पेस इंजिनियर नहीं, बल्कि एक अभिनेत्री बनूंगी। मैं बहुत ही इंट्रोवर्ट लड़की हुआ करती थी। मैंने कभी कैमरा फेस किया ही नहीं था, मगर सेंट जेवियर्स कॉलेज के मेरे प्रोफेसर ने मेरा पहला फोटोशूट किया और एक जौहरी की तरह मुझे तराशा, एक?ट्रेस और मॉडल के रूप में। फिर नाटक, ओटीटी और फिल्मों में अभिनय का सिलसिला शुरू हुआ।

डार्क कॉप्लेक्शन के कारण नकारी गई

कई दूसरी लड़कियों की तरह मंजरी भी सेल्फ डाउट्स से गुजरी हैं। वह कहती हैं, मैं हमेशा सोचती थी कि मैं एक बार को नाटक में तो काम कर लूंगी, मगर शायद कैमरा फेस न कर पाऊं। अपने स्किन कलर को लेकर मैं बहुत हीन भावना की शिकार थी। मेरे लिए सुंदरता का मतलब गोरा रंग था। स्किन वाइटनिंग क्रीम्स ने बचपन से हमारी यही कंडीशनिंग कर रखी है। जबकि अपने घर में ऐसी कोई बात कभी सुनने नहीं मिली, मगर कंडीशनिंग ने मेरे दिमाग में बैठा दिया था कि सांवले रंग के कारण मैं कैमरे का सामना नहीं कर सकती। डार्क कॉप्लेक्शन के कारण ऑडिशन में भी दिक्कत आती थी। जब भी अपमार्केट या अर्बन किरदार की बात होती, गोरे रंग की डिमांड की जाती थी। अपने सांवले रंग के कारण मैं उस तरह के रोल्स के लिए ऑडिशन दे ही नहीं सकती थी। तभी मैंने तय किया कि मैं अपने कॉप्लेक्शन के कारण किसी रोल के लिए चुनी जाऊं, तो वो अहम हो। कई बार ये भी हुआ कि लीड रोल के ऑडिशन के लिए गई, मगर ऑफर हुआ हाउस हेल्प का रोल। कई साल तक ये सिलसिला चला, मगर ओटीटी के आने के बाद कई रियलिस्टिक किरदारों के चलते बदलाव आया है।

इंटीमेट सीन्स में विजय वर्मा और रीमा कागती ने सेफ फील करवाया

बतौर एक्ट्रेस मंजरी खुद को लकी मानती हैं कि उन्हें रीमा कागती (दहाड़, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव) और शाजिया इकबाल (धड़क 2) का साथ मिला। वह कहती हैं, दहाड़ में सेट पर रीमा कागती ने काफी सेफ फील करवाया। मैं पर्दे पर पहली बार अंतरंग दृश्य कर रही थी और ये सीन्स लॉकडाउन से पहले शूट किए थे, तो उस वक्त तक सेट पर इंटीमेसी डायरेक्टर इंट्रोड्यूज नहीं हुए थे, मैं बहुत डरी हुई थी। मगर रीमा ही नहीं, बल्कि मेरे को-एक्टर विजय वर्मा ने भी मेरा काफी खयाल रखा और उन इंटीमेट सीन्स में मुझे जरा भी असहजता महसूस नहीं हुई। साफ-सुथरे और प्रोफेशनल तरीके से वो सीन्स शूट हुए। फीमेल डायरेक्टर होने का ये फायदा तो होता है कि आप खुद को सेफ जोन में फील करते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।